बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 97 | शनिवार 29 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

बिहार विरासत विकास समिति 31 जुलाई को उदयपुर में

उदयपुर। बिहार विधानसभा की बिहार विरासत विकास समिति 31 जुलाई को सड़क मार्ग से उदयपुर पहुंचेगी। इस समिति में सभापति, सदस्य एवं अधिकारियों सहित कुल 12 सदस्य शामिल है। यह समिति 1 अगस्त को यहां विभिन्न स्थलों का भ्रमण करने के पश्चात शाम को माउंट आबू के लिए प्रस्थान कर जाएंगी।

दिल्ली वाला विधेयक अगले सप्ताह संसद में होगा पेश, NDA बनाम INDIA में दंगल के पूरे आसार

नई दिल्ली। दिल्ली की शासन व्यवस्था से जुड़ा विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश होगा। केंद्रीय मंत्री मुरलीधरण ने राज्यसभा में इसकी जानकारी दी है। दिल्ली में सेवाओं पर अधिकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि राज्यपाल सरकार की सलाह से ही फैसले ले सकते हैं। इस पर केंद्र सरकार अध्यादेश ले आई थी। अब उसे ही मंजूरी दिलाने के लिए विधेयक लाया जा रहा है। इस विधेयक को लेकर 26 दलों वाले INDIA गठबंधन ने आम आदमी पार्टी के समर्थन का ऐलान किया है।

जम्मू आधार शिविर से 2155 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। 'बम बम भोले' के जयकारों के बीच 2155 तीर्थयात्रियों का नया जत्था शुक्रवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि ये तीर्थयात्री 95 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। इनमें 1402 तीर्थयात्रियों (1128 पुरुष, 228 महिलाएं, 34 साधु और 12 साध्वियां) का समूह 58 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

मुंबई में 25-26 अगस्त को होगी इंडियन नेशनल डेवलेपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस की तीसरी बैठक

पहली बार विरोधी पार्टी के गढ़ में मिलेंगे 26 दल, उद्धव-शरद गुट होस्ट करेंगे

नई दिल्ली। इंडियन नेशनल डेवलेपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस नाम से बने नए विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक 25 से 26 अगस्त के बीच मुंबई में होगी। इस मीटिंग की मेजबानी शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद गुट) मिलकर करेंगे।

नया गठबंधन बनने के बाद यह पहला मौका है, जब सभी 26 विपक्षी दल किसी ऐसे राज्य में मीटिंग करेंगे जहां उनका कोई सदस्य सत्ता में नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) - एनसीपी (अजित गुट) की सरकार है। इनमें से कोई भी INDIA का हिस्सा नहीं है।

पहली मीटिंग बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू द्वारा 23 जून को पटना में आयोजित की गई थी। दूसरी बैठक बेंगलुरु में 18-19 जुलाई को आयोजित की गई थी और इसकी मेजबानी कांग्रेस ने की थी।

मुंबई में होने वाली तीसरी बैठक में विपक्ष के 3 एजेंडे...

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा, 11 सदस्यीय कोऑर्डिनेशन कमेटी

मुंबई में होने वाली तीसरी मीटिंग में सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा होनी है। इसमें 11 सदस्यीय कोऑर्डिनेशन कमेटी को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। जिसमें कांग्रेस, TMC, DMK, आप, JDU, RJD, शिवसेना (यूबीटी), NCP, झारखंड मुक्ति मोर्चा, समाजवादी पार्टी और CPI से एक-एक सदस्य होंगे। गठबंधन में शामिल अन्य छोटे दलों को समिति में जगह नहीं मिलेगी।

एक संयुक्त सचिवालय की घोषणा

2024 लोकसभा चुनावों को देखते हुए संयुक्त विरोध प्रदर्शनों और रैलियों को आयोजित करने के एक अन्य पैनल की घोषणा करने की भी संभावना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी दलों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए एक संयुक्त सचिवालय की भी जल्द घोषणा की जाएगी।

राज्यों में आपसी मतभेद को दूर करना होगा

बैठक के दौरान सभी पार्टियों के आपसी मतभेद को दूर किया जाएगा। खासकर उन राज्यों में जहां वे सीधे चुनावी लड़ाई में हैं। केरल में कांग्रेस और लेफ्ट, पश्चिम बंगाल में लेफ्ट और टीएमसी, पंजाब और दिल्ली में AAP और कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस एक-दूसरे के धुर-विरोधी हैं। ऐसे में इस मसलों को सुलझाना होगा।

ये दल हैं INDIA का हिस्सा

INDIA गठबंधन में 26 दल शामिल हैं। इसमें कांग्रेस, TMC, DMK, आप, JDU, RJD, JMM, NCP (शरद गुट), शिवसेना (उद्धव गुट), SP, एनसी, PDP, CPM, CPI, RLD, MDMK, केएमडीके, वीसीके, आरएसपी, सीपीआई-एमएल (लिबरेशन), फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कामेरावादी) और एमएमके शामिल हैं।

INDIA के 26 दलों के खिलाफ NDA की 38 पार्टियां

एक तरफ जहां 18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्ष के 26 दल इकठ्ठा हुए थे। वहीं उसी दिन दिल्ली में NDA की मीटिंग हुई थी। NDA के 25 साल और केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर यह बैठक बुलाई गई थी। इसमें 2024 लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से NDA गठबंधन की सरकार बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। NDA का गठन मई 1998 में हुआ था, तब इसके संयोजक जॉर्ज फर्नांडिस थे।

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे शिवसेना की ओर से और NCP के बागी गुट के नेता अजित पवार-प्रफुल्ल पटेल पहली बार बैठक में शामिल हुए। प्रफुल्ल पटेल पटना में हुई विपक्ष की पहली बैठक में भी शामिल हुए थे। शिंदे उद्धव ठाकरे से बगावत के बाद NDA में शामिल हुए हैं।

जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रिस्तरीय बैठक को पीएम मोदी ने किया संबोधित

प्रोजेक्ट टाइगर पर कहीं ये बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में हमारे ग्रह पर 7 बिग कैट एलायंस के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस लॉन्च किया है। यह एक अग्रणी संरक्षण पहल, प्रोजेक्ट टाइगर से मिली हमारी सीख पर आधारित है। प्रोजेक्ट टाइगर के परिणामस्वरूप, दुनिया के 70त्न बाघ भारत में पाए जाते हैं। हम प्रोजेक्ट लायन और प्रोजेक्ट डॉल्फिन पर भी काम कर रहे हैं।

भारत इस मामले में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में से एक

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में से एक है। हम अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, सीडीआरआई और उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह

सहित अपने गठबंधन के माध्यम से अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे। भारत जैव विविधता संरक्षण, संरक्षण और संवर्धन पर काम करने में लगातार अग्रणी रहा है।

यूपी में बिजली की हर यूनिट एक रुपये तक होगी महंगी!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली के दाम 28 पैसे से लेकर 1.09 प्रति यूनिट के हिसाब से बढ़ाए जा सकते हैं. इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन अब उपभोक्ताओं पर ईंधन अधिभार यानी कि फ्यूल सरचार्ज लगाने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए नियामक आयोग ने प्रस्ताव दिया है. इसके तहत 28 पैसे से लेकर 1.09 रुपए प्रति यूनिट बिजली महंगी हो जाएगी. इसके अलावा कॉर्पोरेशन ने उपभोक्ताओं से 1437 करोड़ की वसूली करने की बात भी कही है, जिसके लिए 61 पैसे प्रति यूनिट के आधार पर अलग-अलग श्रेणी में औसत बिलिंग की दर तैयार की है. अगर कॉरपोरेशन की दर को नियामक आयोग मान लेता है तो 28 पैसे प्रति यूनिट से लेकर 1.09 प्रति मीटर बिजली महंगी

हो जाएगी.

प्रस्ताव को नहीं होने देंगे लागू-परिषद

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद का मानना है कि किसी भी कीमत पर इस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया जाएगा. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के मुताबिक पावर कॉरपोरेशन के इस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया जाएगा क्योंकि विद्युत निगम पर पहले से ही करीबन 3122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है. अगर यह फॉर्मूला अपनाया जाता तो उपभोक्ताओं को 30 पैसे प्रति यूनिट का फायदा मिलता है. नियामक आयोग ने जून 2020 में बने कानून की तरह फॉर्मूला नहीं अपनाया. ऐसे में सरचार्ज पर लगाने का प्रस्ताव तत्काल से खारिज किया जाए.

किसके लिए कितनी महंगी होगी बिजली-फ्यूल सरचार्ज के बाद घरेलू बीपीएल के लिए 28 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, घरेलू सामान्य के लिए 44 से 56 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, कमर्शियल के लिए 49 से 87 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, किसान के लिए 19 से 52 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, नॉन इंस्ट्री ब्लैकलोड के लिए ?76 7.0 प्रति यूनिट की बढ़ोतरी और भारी उद्योग के लिए 54 से 64 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की जा सकती है.

राजस्थान के ओलंपिक खेलों की चर्चा देश-विदेश तक-चांदना

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर शुरु किए गए ओलंपिक खेलों की देश विदेश तक होने लगी है और इस बार आगामी पांच अगस्त से शुरु होने वाले राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों में करीब साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग ले रहे है जो दुनियां के सामने एक नई मिशाल कायम होगी।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि इन खेलों की चर्चा देश-विदेश तक है और इन खेलों का भव्य आयोजन किया जायेगा जिसकी पूरी तैयारियां की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन एक साथ कराया जा रहा है और इसमें लगभग साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार ने भरपूर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यह इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है जो दुनिया के सामने एक नई मिशाल पेश करेगा। श्री चांदना गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से खेल आयोजन से जुड़े राज्यभर के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का इस पूरे कार्यकाल के दौरान सबसे ज्यादा फोकस युवाओं और खेल पर रहा है। उनकी सोच है कि प्रदेश के लोग खेलों से जुड़ें और खेल मैदान तक पहुंचे ताकि हम फिट राजस्थान, हिट राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के साथ प्रदेश में खेलों को लेकर उत्साही माहौल बना सकें। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेशवासियों के स्वस्थ रहने के साथ ही युवा खेलों में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीत सकेंगे। चांदना ने कहा कि इन खेलों के पहले संस्करण का हम पिछले साल सफलतापूर्वक आयोजन करवा चुके हैं, जिसकी देश-दुनिया में सराहना मिली और कई राज्यों ने ऐसा आयोजन करने की पहल की है। छत्तीसगढ़ में गत दिनों इसी प्रकार का आयोजन शुरू हुआ है, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन खेलों के दूसरे संस्करण को पहले से भी ज्यादा व्यापक और भव्य रुप में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछले आयोजन के मुकाबले इस बार प्रतिभागियों का पंजीयन ज्यादा हुआ है वहीं शहरी ओलंपिक खेल पहली बार जोड़े गए हैं।

फातिमा बन सबको भूल गई अंजू, पिता की भावुक अपील पर नहीं पसीजा दिल; मैसेज देखकर छोड़ा

ग्वालियर। राजस्थान के भिवाड़ी से पाकिस्तान जाकर फातिमा बन गई अंजू से उसके पिता ने एक बार फिर संपर्क साधने की कोशिश की है। ग्वालियर में रहने वाले अंजू के पिता गया प्रसाद थॉमस ने बेटी को वॉयस मैसेज भेजा है। अंजू हमारे लिए मर चुकी है, कह देने वाले पिता ने बेटी से आखिरी बार बात करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने अंजू को वॉयस मैसेज भेजकर संपर्क साधने को कहा है। हालांकि, फातिमा बनकर पाकिस्तान के नसरुल्ला से कथित तौर पर निकाह कर लेने वाली अंजू ने परिवार से संपर्क तोड़ लिया है।

वॉयस मैसेज में गया प्रसाद ने कहा, अंजू मेरे से बात करो। हैलो अंजू एक बार मुझसे संपर्क करो। मैं बात करना चहता हूं तुमसे। आखिरी बार बात करना चाहता हूं। मैसेज भेजने के कई घंटे बाद तक अंजू ने पिता को कोई जवाब नहीं दिया है। गया प्रसाद ने भी इस

बात का खुलासा नहीं किया है कि वह बेटी से आखिरी बार क्या बात करना चाहते हैं। ऐसा क्या संदेश है जो वह अंजू को देना चाहते हैं।

इससे पहले गया प्रसाद ने अंजू की करतूत को शर्मनाक बताते हुए कहा था कि वह उनके लिए मर चुकी है। मीडिया के सामने अंजू से हर रिश्ता तोड़ने का ऐलान कर चुके थॉमस ने कहा था कि आखिर वह ऐसी बेटी के पिता बने ही क्यों? उन्होंने इस बात पर दुख जाहिर किया था कि अंजू ने परिवार को धोखा दिया और बच्चों को छोड़कर चली गई। अंजू की बात करते हुए हर बार उनकी आंखें नम हो जाती हैं। उधर, भिवाड़ी में मौजूद अंजू के पति अरविंद भी कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अंजू वापस आती है तो वह उसे स्वीकार नहीं करेंगे और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे।

गौरतलब है कि यूपी में पैदा हुई अंजू अपने पति और दो बच्चों के साथ राजस्थान के

> **पाकिस्तान जाकर फातिमा बन गई अंजू से उसके पिता ने एक बार फिर संपर्क साधने की कोशिश की है। ग्वालियर में रहने वाले अंजू के पिता गया प्रसाद थॉमस ने बेटी को वॉयस मैसेज भेजा है।**

भिवाड़ी में रहती थी। फेसबुक के जरिए उसकी दोस्ती पाकिस्तान के नसरुल्ला से हो गई। पिछले दिनों अंजू पाकिस्तान का वीजा लेकर चुपचाप नसरुल्ला के पास चली गई। पाकिस्तानी मीडिया में पुलिस अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि अंजू ने इस्लाम अपना लिया है और अपना नाम फातिमा कर लिया है। नसरुल्ला से निकाह की बात भी सामने आई है।

मणिपुर यौन उत्पीड़न मामले में शुक्रवार को सुनवाई नहीं

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के शुक्रवार को उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष होने वाली मणिपुर यौन हिंसा समेत अन्य मामलों की सुनवाई टाल दी गई।

शीर्ष अदालत की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई।

केंद्र सरकार ने मणिपुर में जारी हिंसा के मामले में गुरुवार को अपना जवाब दाखिल किया था। शुक्रवार को उससे संबंधित मामले में सुनवाई होनी थी।

केंद्र ने मणिपुर में दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न और हिंसा घटनाओं को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के फैसले से गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराते हुए इस मामले की सुनवाई राज्य से बाहर छह महीने के भीतर करने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने शीर्ष अदालत के समक्ष तय सुनवाई से एक दिन पहले गुरुवार को दायर एक हलफनामे यह भी कहा है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के सामने आने के बाद लगातार मामले की निगरानी की जा रही है।

केंद्र सरकार ने अदालत के समक्ष कहा है कि उसका दृष्टिकोण महिलाओं के खिलाफ किसी भी स्तर के अपराध को बर्दाश्त नहीं करने की रही है। वह वर्तमान घटना को भी बहुत जघन्य मानती है। वह मानती है कि इस मामले को न केवल गंभीरता से लिया जाना चाहिए बल्कि समय पर तरीके से न्याय भी होना चाहिए, ताकि इसका असर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के संबंध में पूरे देश में निवारक प्रभाव पड़े।

केंद्र सरकार ने इन दलीलों के साथ शीर्ष अदालत से मामले की सुनवाई मणिपुर से बाहर स्थानांतरित करने करने की गुहार लगाते हुए कहा

● केंद्र सरकार ने अदालत के समक्ष कहा है कि उसका दृष्टिकोण महिलाओं के खिलाफ किसी भी स्तर के अपराध को बर्दाश्त नहीं करने की रही है। वह वर्तमान घटना को भी बहुत जघन्य मानती है।

कि आरोप पत्र दाखिल होने के छह महीने के भीतर समयबद्ध तरीके से सुनवाई पूरी की जानी चाहिए।

केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा कि वह उससे अनुरोध करती है कि विचाराधीन अपराध के मुकदमे सहित पूरे मामले को मणिपुर है से बाहर किसी भी राज्य में स्थानांतरित करने का आदेश दे।

मणिपुर की महिलाओं से जुड़ी भयावह घटना का वायरल वीडियो सामने आने के बाद शीर्ष अदालत ने पिछले हफ्ते अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से कहा था कि यह अदालत 'बेहद से परेशान' है। इसने केंद्र और मणिपुर सरकार से यह भी कहा था कि या तो अपराधियों को पकड़ें अन्यथा न्यायपालिका कार्रवाई करेगी।

श्री भल्ला ने लिखित जवाब में कहा है कि मणिपुर सरकार ने 26 जुलाई 2023 को सचिव, डीओपीएंडटी को मामले को आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की है, जिसे गृह मंत्रालय ने 27 जुलाई के पत्र के माध्यम से सचिव, डीओपीएंडटी को विधिवत सिफारिश की है। इस प्रकार जांच सीबीआई को सौंप दी जाएगी। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि उपचारात्मक उपायों के रूप में राज्य सरकार ने 18 मई और 5 जुलाई 2023 को अपने आदेश के माध्यम से विभिन्न राहत शिविरों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मदद के लिए जिला मनोवैज्ञानिक सहायता टीमों का गठन किया है। हलफनामे में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक रैंक का एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की सीधी निगरानी में आपराधिक मामलों की जांचों की निगरानी की जाएगी।

हलफनामे में यह भी कहा गया है कि आपराधिक घटनाओं की रिपोर्ट करने और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जानकारी प्रदान करने के लिए उचित इनाम भी दिया जाएगा।

आपराधिक मामलों की रोकथाम और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह (मौजूदा कंपनियों के अलावा) 3 मई 2023 से सीएपीएफएस की अतिरिक्त कंपनियां प्रदान कर रहा है।

केंद्र ने अदालत को बताया है कि ÷स्थानीय पुलिस के अलावा सीएपीएफएस की 124 अतिरिक्त कंपनियां और सेना/असम राइफल्स की 185 टुकड़ियां मणिपुर में तैनात हैं। सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में सभी सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधित्व वाली एक एकीकृत कमान स्थापित की गई है। भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नागरिक प्रशासन के सहयोग से खुफिया जानकारी जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

कार्रवाई की जानकारी देते हुए केंद्र सरकार ने अदालत को बताया है कि कर्फ्यू, अन्य कानूनों आदि का उल्लंघन करने के लिए 13,782 लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है।

वंदे भारत पर करम साधारण ट्रेन्स पर सितम ?

निर्मल रानी

गोया एक तरफ तो सरकार विशिष्ट ट्रेन्स में यात्रियों को चलने के लिये उनकी चिरौरी कर रही है उन्हें लुभाने के लिये 25 प्रतिशत तक किराया कम कर रही है तो दूसरी तरफ यही जनविरोधी सरकार कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेन का नाम एक्सप्रेस कर देने के बहाने टिकटों में जो तीन गुना बढ़ोतरी की गयी थी उसे भी नहीं घटा रही। उदाहरण के तौर पर अंबाला शहर से अंबाला छावनी का पैसेंजर ट्रेन का किराया जो मात्र दस रुपए होता था था वह कोरोना के समय से ही तीस रुपए वसूला जा रहा है। क्या सरकार को उन साधारण यात्रियों की जेब की फिक्र नहीं जो अपनी रोजी रोटी के लिये रोजाना इन गाड़ियों से सफर करते हैं ?

बहुप्रचारित सेमी तीव्र गामी ट्रेन वंदे भारत लगता है रेल मंत्रालय के लिये सफेद हाथी जैसा साबित हो रहा है। अब तक चलने वाली लगभग सभी क्षेत्रों की सभी वंदे भारत ट्रेन्स को स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडी दिखाकर रवाना कर इस ट्रेन के बारे में मीडिया व मंहगे विज्ञापनों के माध्यम से कुछ ऐसा ढिंढोरा पीटा था गोया तीव्रगामी बुलेट ट्रेन ने ही वंदे भारत के रूप में अवतार ले लिया है। इस सेमी बुलेट ट्रेन, वंदे भारत को ट्रेन-18 के रूप में विकसित किया गया है। परन्तु अपने परिचालन की शुरूआत से ही वंदे भारत को लेकर अनेक नकारात्मक खबरें आती रही हैं। यहां तक कि इस तीव्र रेल की प्रसिद्धि दुर्घटनाओं के लिये ज्यादा है,विशेषताओं के लिये कम। कभी वंदे भारत एक्सप्रेस की गुजरात में उदवाडा और वापी स्टेशनों के बीच पड़ने वाले क्रॉसिंग गेट नंबर 87 के पास दुर्घटना का समाचार मिला तो कभी मुंबई-गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सामने एक गाय की टक्कर हो जाने से ट्रेन का आगे का हिस्सा टूट गया। इसके बाद 7 अक्टूबर 2022 को वंदे भारत एक्सप्रेस गुजरात के आणंद में गाय से टकरा गई थी। यह हादसा वडोदरा मंडल के आणंद के समीप हुआ था। उस समय रेल प्रशासन ने कहा था रेलवे के ट्रैक पर गाय के झुंड के आ जाने से यह हादसा हुआ। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने वंदे भारत एक्सप्रेस के पूरे रूट में कंटीले तार लगाने का निर्देश दिया था ताकि जानवर रेलवे ट्रैक पर नहीं आ पाए। गुजरात में ही 6 अक्टूबर 2022 को मुंबई से अहमदाबाद जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की भैंसों के एक झुंड से भीषण टक्कर हो गई थी। यह हादसा वटवा और मणिनगर स्टेशन के बीच हुआ था। भैंसों के झुंड से हुई इस टक्कर में कई भैंसों की मौत तो हुई ही थी, ट्रेन का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में गत वर्ष आठ अक्टूबर को अचानक तकनीकी गड़बड़ी आ गयी और ट्रेन के पहिए ही जाम हो गए थे। इस कारण ट्रेन करीब पांच घंटे खुर्जा स्टेशन पर रुकी रही। चूँकि खुर्जा स्टेशन पर उसकी मुरम्मत संभव नहीं थी इसलिये इसके यात्रियों को शताब्दी एक्सप्रेस से उनके गंतव्य तक पहुंचाया

गया जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यहाँ तक कि पिछले दिनों दिल्ली से भोपाल जा रही वंदे भारत ट्रेन जोकि रानी कमलापति स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन के लिए रवाना हुई थी उसकी सी-14 बोगी में कुरवाई स्टेशन के पास बैट्री से आग लग गई। शुक्र है कि यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ऐसे और भी कई हादसों से वन्दे भारत दोचार होती रही है। इसके परिचालन के उद्घाटन में प्रधानमंत्री का सीधा दखल,इसके उद्घाटनों पर होने वाली बेतहाशा पब्लिसिटी और स्टेशंस की सजावट पर लुटाया जाने वाला जनता का टैक्स का पैसा देखकर ही जब भी यह ट्रेन दुर्घटनाओं या अन्य किसी फाल्ट के चलते खबरों की सुर्खियां बनती है तो उस समय सोशल मीडिया पर वंदे भारत ट्रेन की खूब फजीहत होती है।

बहरहाल इतनी ढोल पीटकर चलाई जाने वाली यही वन्दे भारत अपने शुरूआती दौर से ही रेल के लिए एक सफेद हाथी साबित हो रही है। इसका अत्याधिक किराया होने व अन्य सुपर फास्ट ट्रेन्स की तुलना में गंतव्य तक पहुँचने के अंतराल में कोई विशेष फर्क न होने के चलते आम यात्री इसपर यात्रा करना पसंद नहीं कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में चलने वाली वंदेभारत रेल गाड़ियों में 50 प्रतिशत से लेकर 21 प्रतिशत तक ही सवारियां मिल पा रही हैं जिससे रेल विभाग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसीलिए यात्रियों को इन ट्रेन्स में यात्रा हेतु आकर्षित करने के लिये रेल मंत्रालय ने वंदे भारत समेत अन्य कई महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का किराया घटाने का फैसला किया है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार रेलवे बोर्ड वन्दे भारत सहित अनेक ट्रेन्स के अउ चेयर कार और एक्जीक्युटिव क्लास के किराए में 25% तक की कटौती करने की योजना बना रहा है। लेकिन अतिरिक्त शुल्क जैसे रिजर्वेशन चार्ज, सुपर फास्ट सरचार्ज, जीएसटी अलग से लगाया जाएगा। हालांकि यह सुविधा केवल उन ट्रेन्स में ही दी जायेंगी, जिन में पिछले 30 दिनों के दौरान केवल 50% सीटें ही भर पाई थीं। रेल मंत्रालय के अनुसार पहले से बुक टिकटों पर यात्रियों को किराए का कोई रिफंड नहीं मिलेगा। इसके अलावा हॉलीडे और फेस्टिवल स्पेशल जैसी ट्रेनों में यह योजना लागू होगी।

गोया एक तरफ तो सरकार विशिष्ट ट्रेन्स में यात्रियों को चलने के लिये उनकी चिरौरी कर रही है उन्हें लुभाने के लिये 25 प्रतिशत तक किराया कम कर रही है तो दूसरी तरफ यही जनविरोधी सरकार कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेन का नाम एक्सप्रेस कर देने के बहाने टिकटों में जो तीन गुना बढ़ोतरी की गयी थी उसे भी नहीं घटा रही। उदाहरण के तौर पर अंबाला शहर से अंबाला छावनी का पैसेंजर ट्रेन का किराया जो मात्र दस रुपए होता था था वह कोरोना के समय से ही तीस रुपए वसूला जा रहा है। क्या सरकार को उन साधारण यात्रियों की जेब की फिक्र नहीं जो अपनी रोजी रोटी के लिये रोजाना इन गाड़ियों से सफर करते हैं ? इसी तरह कोरोना काल में ही वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट इसी निर्दयी सरकार ने समाप्त कर दी थी। वह भी आज तक बहाल न हुई। केवल साधारण कोच का नाम सामान्य कोच से बदलकर दीन दयालु कोच रख देने या उसका भगवा रंग करवा देने से यात्रियों को राहत नहीं मिलने वाली। सरकार को तो स्वयं सोचना चाहिये कि अपनी गलत नीतियों के चलते देश की जिस जनता को उसने राशन तक का मोहताज बना दिया है, उस पर ट्रेन का तीन गुना अधिक किराया भरते वक़्त क्या गुजरती होगी? 25 प्रतिशत किराया कम कर वंदे भारत के यात्रियों पर करम और साधारण सवारी ट्रेन्स के यात्रियों से तीन गुना ज्यादा रकम वसूल कर उनपर किये जा रहे सरकारी सितम से तो यही जाहिर होता है कि वरिष्ठ, साधारण व गरीब नागरिकों को राहत देने में सरकार की कोई दिलचस्पी ही नहीं है।

संपादकीय

विमर्श है जरूरी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के खिलाफ कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। सदन में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जिसका इंडिया गठबंधन के दलों ने समर्थन किया है। ऐसा माना जा रहा है कि इस पर अगले सप्ताह चर्चा और वोटिंग होगी। मणिपुर हिंसा को लेकर मॉनसून सत्र के पहले दिन से संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। लोकतंत्र में विपक्ष को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का अधिकार है लेकिन यह भी गौर करने वाली बात है कि सरकार मणिपुर पर विस्तृत और व्यापक तौर पर चर्चा के लिए तैयार थी। गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य सभा में प्रतिपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोक सभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। विपक्ष का यह रुोख भी संसदीय परंपरा का उल्लंघन करनै जैसा ही है। अब यह

बात समझ से परे है कि आखिर विपक्षी दल चर्चा करने से पीछे हट क्यों गए। आखिर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में हंगामा खड़ा कर-के क्या हासिल करना चाहते हैं। इस बात से तो यही संकेत मिलता है कि विपक्षी दलों को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के प्रति कोई चिंता नहीं है। उन्हें वहां पीड़ित जनता से किसी तरह की संवेदनशीलता और सहानुभूति नहीं है। वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को कठघरे में खड़ा करके राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह मांग न्याय संगत और विवेक सम्मत नहीं था कि चर्चा से पहले प्रधानमंत्री सदन में अपना वक्तव्य दें। प्रधानमंत्री को सदन में वक्तव्य देने के लिए विपक्ष मजबूर नहीं कर सकता है। जब सरकार विपक्ष की मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुई तो विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लिया। इस बीच संसद में जारी हंगामे को देखते हुए सरकार विधायी कार्यों को संपन्न करने में जुटी हुई है। सदन में प्रस्तुत विधेयकों पर विचारझविमर्श करना विपक्षी दलों का प्रमुख काम हैङ्क लेकिन इस मह'वपूर्ण दायित्व का भी निर्वाह वह नहीं कर रहा है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पीएम को सबसे अंत में अपना वक्तव्य देना है। अगर वह अपनी वाकपटुता और तर्कों से विपक्ष के सभी आरोपों को धराशायी करने में सफल हो जाते हैं तो विपक्ष को मुंह की खानी पड़.सकती है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

मुख्यमंत्री से इस्तीफा क्यों नहीं ले पा रही केंद्र सरकार

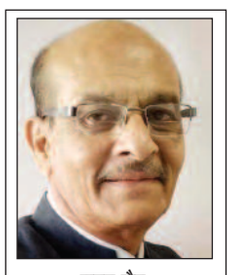

सनत जैन

मणिपुर में दो समुदायों के बीच अलगाव चरम सीमा पर पहुंच चुका है। हजारों की संख्या में घर जलाए जा चुके हैं। 300 से ज्यादा गिरजाघर जला दिए गए हैं। कुछ मंदिर भी जलाए गए हैं। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। 2 महिलाओं को नंगा करके घुमाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। हजारों लोग अपने ही राज्य में शरणार्थी शिविरों पर रहने के लिए विवश हैं। मणिपुर की घटनाओं का असर अब मिजोरम, असम, नागालैंड इत्यादि राज्यों में भी तेजी के साथ पड़ रहा है। यहां पर भी विभिन्न समुदायों के बीच में असुरक्षा बढ़ गई है। रोजाना मणिपुर और अन्य राज्यों में उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मणिपुर में निरंतर गोलीबारी हो रही है। इस सब के पीछे जो सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है,उसमे मुख्यमंत्री वीरेन सिंह पर किसी भी समुदाय को विश्वास नहीं रहा। सेना, पुलिस, स्वास्थ्य कर्मी भी समुदाय के आधार पर मणिपुर में बंट गई है। जिसके कारण मणीपुर में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महत्वपूर्ण सेवायें भी आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है।

केंद्र सरकार के इशारे पर एक बार मुख्यमंत्री इस्तीफा देने के लिए राजभवन की ओर जा रहे थे। उन्होंने इस्तीफा देने के स्थान पर अपने समर्थकों को बुलाकर इस्तीफा समर्थकों से फड़वा दिया। इस बात को भी कई दिन बीत चुके हैं। इसके बाद भी केंद्र सरकार द्वारा, मुख्यमंत्री से इस्तीफा नहीं लेने के कारण केंद्र सरकार की जवाबदेही बढ़ती ही जा रही है। देश और दुनिया में मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार निशाने पर है। बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान जो हिंसा हुई है,या राजस्थान में जो महिलाओं के साथ यौन संबंधी अपराध हुए हैं। उनसे मणिपुर की तुलना नहीं की जा सकती है। पश्चिम बंगाल और राजस्थान के नाम पर केन्द्र सरकार बचाव करने की सोच रही है। उसके कारण केंद्र सरकार स्वयं निशाने पर आ रही है। माना जा रहा है, केंद्र सरकार डबल इंजन सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए पश्चिम बंगाल और राजस्थान को निशाने पर ले रही है। मणिपुर की तुलना अन्य राज्यों से करना पूरी तरह बेमानी और दोषपूर्ण है। मणिपुर में सेना और पुलिस से उग्रवादियों ने हथियार लूट लिए। ढाई महीने से इंटरनेट बंद था। जगह जगह कर्फ्यू लगाया गया। जब दो युवतियों का नग्न अवस्था का वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकार हरकत में आई। सुप्रीम कोर्ट ने इसमें संज्ञान लिया। टेलीविजन चैनल की बहस में गुजरात दंगों और मणिपुर में हो रहे दंगों के बचाव में पश्चिम बंगाल और राजस्थान, छत्तीसगढ़ का नाम लेकर तथा 1984 के सिख विरोधी दंगों का बार-बार उल्लेख कर जो बचाव किया जाता है। अब इसका भी असर जनता के बीच में नहीं हो रहा है। जिस तरह की स्थिति मणिपुर में बनी हुई है। मणिपुर में मेतई समुदाय और कुकी समुदाय के लोगों का एक साथ रहना नामुमकिन हो गया है। दोनों समुदायों के बीच का यह विभाजन प्रदेश की सुरक्षा, प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों के कारण देश की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। कश्मीर घाटी में 1990 में पंडितों का पलायन हुआ था। पंडितों के पास ना तो कोई हथियार थे। ना उनमें लड़ाई लड़ने का सामर्थ्य था। जिसके कारण वह घाटी छोड़कर भारत के अन्य राज्यों में आकर निवास करने लगे। मणिपुर की स्थिति इसके ठीक विपरीत है। यहां पर तीनों समुदायों के पास बड़ी मात्रा में हथियार हैं। यहां के लोग कई दशकों से आपस में अपने अस्तित्व के लिए लड़ते रहे हैं। गुजरात के दो समुदाय के बीच 2002 में जो दंगे हुए थे। उसमें हिंदुओं के बचाव के लिए अहमदाबाद की सड़कों पर बजरंग दल और हिंदू संगठनों ने मोर्चा संभाल लिया था। मणिपुर की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। पहाड़ी और मैदानी इलाके में सशक्त विद्रोह जैसी स्थिति मणिपुर मे बनी हुई है। यहां पर सेना और सीमा सुरक्षा बल भी अपने आप को असहाय पा रहा है। अब इसका असर पूरे पूर्वोत्तर राज्य के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों में प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। मणिपुर के मुख्यमंत्री से अभी तक इस्तीफा नहीं लिए जाने के कारण, यह मामला अब गुजरात दंगों से भी जोडा जाने लगा है। 2002 में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाने पर विचार किया गया था। उस समय गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, मुख्यमंत्री को हटाने सहमत नहीं हुए। मोदी दंगों के बाद भी गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को बचाने के चक्कर में, केंद्र सरकार अब निशाने पर आ गई है। मणिपुर के दंगों को अब गुजरात दंगों से जोड़कर देखा जा रहा है। यह स्थिति ना तो केंद्र सरकार के लिए बेहतर है,नाही देश के लिए बेहतर मानी जा सकती है। केंद्र सरकार को जल्द से जल्द निर्णय लेकर स्थिति का समाधान निकालना चाहिए। केंद्र सरकार की छवि पर विपरीत असर पड़ रहा है। केंद्र सरकार और भाजपा को समय रहते यह समझना होगा।

रोहिंग्या समस्याः यूपी से सीखें बाकी राज्य

संजीव मिश्र

भारत लंबे समय से घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान से कटकर बांग्लादेश अलग हुआ, उस समय बड़ी संख्या में बांग्लादेशी भारत आकर बस गए। पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटना इंदिरा गांधी सरकार की बड़ी उपलब्धि जरूर थी लेकिन घुसपैठ की समस्या को अपेक्षाकृत कमतर आंका गया। एक अनुमान के मुताबिक बांग्लादेश मुक्ति के लिए हुए युद्ध की शुरूोआत के समय ही करीब एक करोड़ बांग्लादेशी भारत आ गए थे। यूनाइटेड नेशंस हाई कमीशन फॉर रिफ्यूजीज (यूएनएचसीआर) की तत्कालीन रिपोर्ट इस पर और अधिक विस्तार से प्रकाश डालती है। रिपोर्ट के मुताबिक 1971 युद्ध के समय प्रति दिन करीब एक लाख बांग्लादेशी भारत आ रहे थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी इस गंभीर खतरे को भांप चुकी थीं, शायद तभी यूएनएचसीआर के भारी दबाव के बावजूद उन्हें कहना पड़ा था कि किसी भी स्थिति में इन्हें भारत में स्थान नहीं दिया जा सकता। 1971 में एक साक्षात्कार में इंदिरा जी ने माना भी था कि भारी संख्या में शरणार्थी आने की वजह से भारत में समस्या खड़ी हो गई है। समय के साथ अस्थायी बस्तियों में रहने वाले बांग्लादेशी कब भारतीय नागरिक बन गए, पता भी नहीं चला। असम में एनआरसी बनाते समय यह बात खूब समझ में आई। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जूझ रहे भारत की मुश्किलें अब रोहिंग्या ने बढ़ा दी है। रोहिंग्या घुसपैठियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल इनकी संख्या कितनी है, इसका सटीक अंदाजा लगाना मुश्किल है। 2017 में केंद्र सरकार ने बताया था कि देश में 40 हजार रोहिंग्या घुसपैठिए जम्मू कश्मीर, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान में रहते हैं। हालांकि यूएनएचआरसी ने अपनी रिपोर्ट में 2021 दिसम्बर तक देश के अलग-अलग हिस्सों में करीब 18 हजार रोहिंग्या मुसलमानों के रहने की बात कही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2019 में नागरिकता संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान रोहिंग्या घुसपैठियों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि रोहिंग्या को भारत कभी बतौर नागरिक स्वीकार नहीं करेगा। सरकार के इस वक्तव्य के पीछे एक बड़ा कारण यह भी था कि रोहिंग्या आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं।

रोहिंग्या अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर तो बोझ हैं ही ड्रग्स, मानव तस्करी समेत आतंकवादी घटनाओं में इनकी संलिप्तता ने भी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। रोहिंग्या ने भारत के अलावा बांग्लादेश में भी घुसपैठ की। आज बांग्लादेश रोहिंग्या घुसपैठियों की वजह से बदहाली के भंवर में फंसता जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने माना कि म्यांमार से भागकर भारत और बांग्लादेश आए रोहिंग्या मुसलमानों ने देश के सामाजिक तानेबाने और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र से प्रभावी भूमिका निभाने का अनुरोध करते हुए शेख हसीना ने कहा है कि रोहिंग्या की लंबे समय तक बांग्लादेश में मौजूदगी ने अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सुरक्षा और सामाजिकझराजनीतिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव डाला है। ड्रग्स, मानव तस्करी समेत संगठित अपराध बढ़ गए हैं। भारत में भी स्थितियां कमोबेश ऐसी ही हैं। म्यांमार की सीमा पर जवानों से बचते हुए घने जंगलों से होकर रोहिंग्या उत्तर-पूर्वी राज्यों सिक्किम और मिजोरम से भारत के अंदरूनी हिस्सों का रुख कर चुके हैं, और कर रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए सख्ती बरती जा रही है, गिरफ्तारियां भी होती रहती हैं। फिर भी रोहिंग्या उत्तर-पूर्व से बंगाल, असम, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश होते हुए नेपाल सीमा तक पहुंच रहे हैं। बंगाल से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली और वहां से पाकिस्तान सीमा से सटे संवेदनशील जम्मू-कश्मीर तक डेरा डाल चुके हैं। जम्मू कश्मीर में पुंछ, डोडा, अनंतनाग, सांबा और जम्मू में काफी संख्या में रहने लगे। सरकार सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर चुकी है कि रोहिंग्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हाल में एटीएस ने मथुरा, अलीगढ़, हापुड़, गाजियाबाद में छापेमारी की। 74 रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया। गाजियाबाद में पकडे गए रोहिंग्या से कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। कइयों के पास से पहचान पत्र, राशन कार्ड बरामद हुए हैं। कई घुसपैठी तो 10-15 सालों से रह रहे थे। जांच का विषय है कि आखिर, कैसे इन घुसपैठियों का पहचान पत्र, राशन कार्ड बन गया। रोहिंग्या घुसपैठियों से निपटने के लिए देश की राजधानी दिल्ली में बाकायदा एक सेल का गठन किया गया। लेकिन इन दिनों यह सेल बहुत सक्रिय नहीं है। इसके पीछे बड़ा कारण यह भी है कि ये घुसपैठिए येन केन प्रकारेण फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, जिस कारण उनकी पहचान मुश्किल हो जाती है। इन घुसपैठियों के खिलाफ गंभीरता से कार्रवाई करने का समय आ गया है क्योंकि कुल वैश्विक क्षेत्रफल के मात्र 2.4 प्रतिशत एवं जल संसाधनों के मात्र 4 प्रतिशत भाग के बूते अपनी लगभग 140 करोड़ आबादी का वहन कर रहा देश घुसपैठियों का बोझ किसी भी सूरत उठाना नहीं चाहेगा।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मन को शांति मिलती है: आचार्य संजीव विशिष्ट

संवाददाता

धामपुर। नगर के शुभम मंडप मे चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के छठे दिन नंद बाबा के दुलारे एवं यशोदा मैया की आंखों के तारे भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का विभिन्न उदाहरणों सहित वर्णन किया गया ।

इसके अतिरिक्त पूतना वध एवं गिरिराज पूजन की कथा से संबंधित दृष्टांत भी सुनाए गए इस दौरान वृंदावन से पधारे आचार्य संजीव वशिष्ठ जी महाराज ने कहा बालक की बाल लीलाओं का सुख माता के लिए संसार के सभी प्रकार के सुखों से भी कहीं बड़ा होता है। उन्होंने बताया एक गिरिराज पूजन की महत्ता सभी प्रकार के धार्मिक आयोजनों में सबसे अधिक सौभाग्यशाली एवं उपलब्धि पूर्ण मानी गई है । सपांचवें दिन की कथा का शुभारंभ सामूहिक पूजन से किया गया ।जिसके मुख्य यजमान नगर के समाजसेवी अशोक कुमार अग्रवाल, एवं उनकी धर्मपत्नी शालिनी अग्रवाल रहे ,जबकि अन्य यजमान की भूमिका नगर पालिका परिषद धामपुर के चेयरमैन चौधरी रवि कुमार सिंह ,एवं उनकी धर्मपत्नी ज्योति सिंह, के अलावा संजीव शर्मा हलवाई कैटर्स, तथा उनकी धर्मपत्नी अंजली शर्मा ,एवं आदित्य कुमार शर्मा रहे। जिन्होंने संयुक्त रूप से व्यासपीठ का पूजन करते हुए व्यास जी महाराज का तिलक किया और आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर धर्म नगरी धामपुर की धार्मिक संस्था श्रीमद हनुमत भक्ति प्रचार मंडल की ओर से संस्था के संस्थापक आचार्य डॉक्टर दिनेश चंद्र भारद्वाज, संरक्षक जगदीश लाल अरोड़ा ,अध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल ,कोषाध्यक्ष मनोज कुमार रस्तोगी ,के संरक्षण में संस्था परिवार के सभी सदस्यों ने व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य संजीव वशिष्ठ जी का पटका पहनाकर एवं राम दरबार की मूर्ति भेंट कर सार्वजनिक अभिनंदन किया ।इस दौरान वीर बजरंगबली हनुमान जी के जयकारों से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा पांचवें दिन की कथा में आचार्य संजीव वशिष्ठ जी महाराज ने कहा कि सभी ग्रंथों में श्रीमद् भागवत ग्रंथ एक ऐसा ग्रंथ है जो भटके हुए सांसारिक प्राणियों को उनकी वास्तविक के राह दिखाता है ।भोगी से योगी बनाता है हर प्रकार के सुखों की उपलब्धि कराता है उन्होंने उपस्थित श्रद्धालु समूह का आवाहन किया कि वह सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा को श्रवण करने के बाद उससे संबंधित तथ्यों को कथा स्थल पर ही छोड़ देने की प्रक्रिया ना अपनाकर उन्हें अपने जीवन में स्थान दिलाने का भी संकल्प लें । प्रसाद का वितरण श्रद्धालु समूह में धार्मिक संस्था श्रीमद हनुमत भक्ति प्रचार मंडल परिवार की ओर से कराया गया।

संगीत शिक्षक मंजीत सिंह सलूजा व हर्षदीप सलूजा हुए सम्मानित

संवाददाता

नहटौर । वैष्णो धर्मशाला नहटौर मे संपन्न हुए सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव में धामपुर निवासी संगीत शिक्षक सरदार मंजीत सिंह सलूजा साधक एवं सरदार हर्षदीप सिंह सलूजा सिदक को कथा मंडप में प्रभावी साउंड व्यवस्था के लिए जय जयकार के बीच सम्मानित किया गया ।व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य प्रसून कौशल जी महाराज ने दोनों को अपने हाथों से यह सम्मान प्रदान किया। इस दौरान बाबा मलंग दास तथा आयोजक परिवार के सदस्यों एवं यजमा नो के साथ ही श्रद्धालुओं ने भी प्रभावी साउंड व्यवस्था की प्रशंसा की सम्मानित होने के बाद सरदार मंजीत सिंह सलूजा साधक एवं सरदार हर्षदीप सिंह सलूजा ने बताया कि उनके द्वारा प्रभावी साउंड व्यवस्था धामपुर के शुभम मंडप में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव मे भी की जा रही है ।उन्होंने नहटौर में मिले सम्मान को जीवन की विभिन्न उपलब्धियों की श्रृंखला में विशेष सम्मान की संज्ञा देते हुए कहा की धार्मिक आयोजनों में प्रभावी साउंड व्यवस्था बनाए रखने का उन्होंने संकल्प भी लिया हुआ है। जिसकी वह निरंतरता बनाए रखेंगे उधर धामपुर की श्रीमद् भागवत कथा में भी आचार्य संजीव वशिष्ठ जी महाराज ने प्रभावी साउंड व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए दोनों को प्रत्येक धार्मिक आयोजन में ऐसी ही व्यवस्था बनाए रखने का ठाकुर जी का आशीर्वाद भी दिलाया।

धूमधाम से मनाई गई भगवान महाराज दक्ष की जयंती

संवाददाता

धामपुर । मोहल्ला बाडवान कुम्हारों वाली गली धामपुर में धूमधाम से मनाई गई भगवान महाराज दक्ष की जयंती। दक्ष प्रजापति कुम्हार महासभा समिति के अध्यक्ष क्षेत्रपाल सिंह प्रजापति के आवास मोहल्ला बाडवान कुम्हारों वाली गली धामपुर पर दक्ष प्रजापति कुम्हार महासभा धामपुर के बेनर तले भगवान दक्ष महाराज की जयंती कार्यक्रम आयोजीत किया गया। जयंती कार्यक्रम में सर्वप्रथम संस्था के संरक्षक भस्सू सिंह प्रजापति,राम सिंह प्रजापति,के द्वारा भगवान दक्ष महाराज जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया ।और बड़े ही धूमधाम से जयंती मनाई गई और भगवान दक्ष महाराज जी की महा आरती प्रजापति समाज के समस्त व्यक्तियों द्वारा की गई ।और उसके पश्चात मिष्ठान वितरण किया गया ।जयंती कार्यक्रम में एडवोकेट आरके आर्य,राम सिंह प्रजापति, नीरज कुमार प्रजापति, ,बृजमोहन प्रजापति क्षेत्रपाल सिंह

प्रजापति, शक्ति सिंह ,शिवम ,अनुराग, रामचंद्र, सतपाल ,विपिन कुमार, मानसिंह प्रजापति, लोकेंद्र सिंह, विरेंद्र कुमार, यश कुमार, मोहित कुमार, रवि कुमार सुधीर कुमार , अशोक कुमार, रोहित कुमार, शिवम कुमार, लक्की, राजू,देव,वंश, आदि उपस्थित रहे।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों को देखा

संवाददाता

धामपुर । दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान धामपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर जयपाल सिंह मेमोरियल प्राथमिक विद्यालय के सहयोग से देवंती देवी प्रेरणास्थान द्वारा ग्राम मुबारकपुर टप्पा भारती मे लगाया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन पंकज कुमार ,कृपाल सिंह ,राम सिंह, डॉ विपिन शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। चिकित्सा शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ, आदित्य अग्रवाल सर्जन, ने लगभग 150 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। तथा मरीजों को तीन दिन की दवाईयां निशुल्क उपलब्ध कराई गई। चिकित्सा शिविर में धामपुर तहसील क्षेत्र को पॉलिथीन मुक्त करने एवं प्लास्टिक से बनी चीजों को ना इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया। शिविर में कपड़े के सिले हुए थैले वितरण किए गए । शिविर को सफल बनाने में मोहित कुमार ,साहिल अभिषेक कुमार, अखिलेश शर्मा, राजीव कुमार,साहिल, पंकज कुमार, संकेत अग्रवाल,नंदलाल जी, सतीश वर्मा, पंकज अग्रवाल ,अनुज प्रजापति, सुनील कुमार, गौरव कुमार,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत वर्ष में प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मिट्टी को नमन, वीरों का वन्दन के संदेश के साथ मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का कार्यक्रम है। प्रत्येक उत्तर प्रदेश वासी को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस पुनीत कार्यक्रम में सहभागी बनना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ह्यमेरी माटी, मेरा देशह्ल कार्यक्रम अपने देश, अपनी मातृभूमि के लिए श्रद्धा, आदर एवं अपनापन के भाव से प्रेरित है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विकास खण्ड और नगरीय निकाय से पावन मिट्टी लेकर अमृत कलश तैयार किया जाए। प्रत्येक जनपद में सभी स्थानीय नगरीय निकायों का एक सम्मिलित अमृत कलश बनाया जाए। जबकि प्रत्येक विकास खण्ड का पृथक अमृत कलश तैयार किया जाए। यह अमृत कलश लखनऊ और देश की राजधानी दिल्ली में आजादी के अमृत वर्ष की स्मृति के साथ संग्रहीत किए जाएं। अमृत कलश में प्रत्येक गांव, प्रत्येक शहर की मिट्टी हो। यह कलश गांव से ग्राम पंचायत, फिर ब्लॉक मुख्यालय होते हुए जिला मुख्यालय पर एकत्रित किए जाएं। इसी प्रकार, सभी नगरीय निकायों के कलश जिला मुख्यालय स्थित नगर निगम/नगर पालिका परिषद पर एकत्रित हों। तदुपरान्त यह कलश प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचेंगे और फिर जनपद गौतमबुद्धनगर होते हुए राजधानी दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर पूरे देश से आए अमृत कलशों के साथ एकत्रित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अमृत कलश देश की पावन मिट्टी से पूरित होंगे, इनका पूरा सम्मान किया जाए। अमृत कलश यात्रा भव्यता से परिपूर्ण होनी चाहिए। जगह-जगह आमजन की सहभागिता के साथ जनप्रतिनिधियों द्वारा इसका सम्मान किया जाए। इस सम्बन्ध में सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत/नगरीय निकाय में शिलाफलकम स्थापित किया जाना है। शिलाफलकम पर आजादी के अमृत वर्ष का विजन एवं स्थानीय वीरों/शहीदों का परिचय प्रदर्शित होगा। 09 से 15 अगस्त, 2023 तक की अवधि के इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी ग्राम पंचायतों/स्थानीय निकायों में शिलाफलकम का लोकार्पण किया जाए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा तय किए गए पंच प्रण के प्रति प्रदेशवासी संकल्पबद्ध होकर वसुधा वंदन करते हुए पौधरोपण करें। ह्यवीरों का वंदनह्ल के भाव के साथ स्वाधीनता संग्राम सेनानियों एवं अमर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जाए। मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी जिलाधिकारियों से संवाद स्थापित कर बेहतर कार्ययोजना तैयार की जाए। 09 से 15 अगस्त, 2023 तक प्रत्येक दिन का कार्यक्रम तय करें। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरियों, नुक्कड़ नाटकों आदि का भी आयोजन किया जाए।

सीएम ने प्रदेश के संतुलित, समावेशी, सुस्थिर नगरीय विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की

● प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से विगत 06 वर्षों में उ0प्र0 में विश्वस्तरीय नगरीय अवस्थापना सुविधाओं में अभूतपूर्व विस्तार हुआ : मुख्यमंत्री ● 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शहरीकरण को बढ़ाना होगा, इसमें आवास विभाग और विकास प्राधिकरणों की भूमिका महत्वपूर्ण ● लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा भू-माफिया से मुक्त करायी गयी लगभग 3,000 वर्ग मीटर भूमि पर गरीबों के लिए आवास तैयार कराए जाएं ● सभी प्राधिकरण, स्थानीय निकाय यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी किसी भी परिस्थिति में अवैध बस्तियां/रिहायशी कॉलोनी बसने न पाए ● प्रधानमंत्री जी की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या के समग्र विकास की हर परियोजना शासन की प्राथमिकता ● नगर पालिका परिषद/पंचायत तथा क्षेत्र पंचायत में नियोजित विकास हेतु लोकल प्लानिंग अथॉरिटी का गठन किए जाने की आवश्यकता ● प्रदेश स्तर पर टाउन प्लानिंग निदेशालय का गठन किया जाए ● सभी विकास प्राधिकरण और औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी भूमि का लैण्ड ऑडिट कराएं, लैण्ड रिकार्ड्स को डिजिटाइज किया जाए, लैण्ड रिकार्ड्स का स्थलीय सत्यापन कराया जाए ● राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर उ0प्र0 राज्य राजधानी क्षेत्र के गठन से सम्बन्धित वैधानिक कार्यवाही को तेजी से पूरा किया जाए ● काशी में कैण्ट रेलवे स्टेशन से गिरजाघर तक बनने वाली रोप-वे परियोजना को शीर्ष प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए ● उ0प्र0 बड़े राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा, प्रदेश के हर शहर को ऐसे अवसर मिलें, इसके लिए अवस्थापना सुविधाओं का विकास आवश्यक ● हर पखवाड़े में मानचित्र निस्तारण के लिए मानचित्र समाधान दिवस का नियमित आयोजन किया जाए

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय नगरीय अवस्थापना सुविधाओं में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आर0आर0टी0एस0 और मेट्रो जैसी अत्याधुनिक नगरीय परिवहन सुविधाएं हों या शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, इण्टीग्रेटेड टाउनशिप का विकास, एक्सप्रेस-वे की रफ्तार हो या कूड़ा प्रबन्धन की व्यवस्था, हर क्षेत्र में तकनीक की मदद से आम शहरवासी को ह्यईज ऑफ लिविंगह्ल का अनुभव हो रहा है। मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के संतुलित, समावेशी, सुस्थिर नगरीय विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप अगर हमें 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करना है, तो हमें शहरीकरण को बढ़ाना होगा। इसमें आवास विभाग और विकास प्राधिकरणों की भूमिका महत्वपूर्ण है। निवेश, रोजगार और नवाचार के लिए तकनीक की मदद से विकास प्राधिकरणों को स्वतः स्फूर्त से आगे बढ़ना होगा। नगरों का नियोजन आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं के दृष्टिगत किया जाना चाहिए, जबकि महायोजना न्यूनतम 20 वर्ष की अवधि की होनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्राधिकरणों और नगरीय निकायों में भू-माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कठोरतम कार्रवाई का दौर लगातार जारी रहेगा। भूमि सरकारी हो या निजी, अवैध कब्जे की हर शिकायत पर पूरी संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई होगी। उत्तर प्रदेश में किसी गरीब के घर पर दबंग का कब्जा कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। भू-माफियाओं के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई से जनता में सकारात्मक संदेश गया है। लोगों के मन में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास का संचार हुआ है। विगत दिनों प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा लूकरगंज में भू-माफिया से मुक्त करायी गयी भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 78 परिवारों को उनके घर की चाभी सौंपी गई है। यह क्रम सतत जारी रखा जाए। इसी प्रकार, लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा भू-माफिया से मुक्त करायी गयी लगभग 3,000 वर्ग मीटर भूमि पर भी गरीबों के लिए आवास तैयार कराए जाएं। यह कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। सभी प्राधिकरण, स्थानीय निकाय यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी किसी भी परिस्थिति में अवैध बस्तियां/रिहायशी कॉलोनी बसने न पाए। हर कॉलोनी में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। अन्त्योदय के भाव के साथ हमें मलिन बस्तियों के पुनरुद्धार के कार्य को तेज करने की आवश्यकता है। सभी विकास प्राधिकरण बहुमंजिला आवासीय परिसर तैयार करें। मलिन बस्तियों में निवासरत लोगों के लिए यह बड़ा उपहार होगा। प्रधानमंत्री जी की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या के समग्र विकास की हर परियोजना शासन की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में धर्मनगरी अयोध्या का विकास त्रेतायुगीन वैभव के अनुरूप किया जा रहा है। अयोध्या में पुरातन संस्कृति सभ्यता के संरक्षण के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को देखते हुए आधुनिक पैमाने के अनुसार सभी नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 06 वर्षों में प्रदेश में शहरीकरण तेजी से बढ़ा है। जन अपेक्षाओं के अनुरूप बड़ी संख्या में नए नगरीय निकायों का सृजन किया गया है। साथ ही, अनेक नगरीय निकायों का सीमा विस्तार किया गया है। संतुलित, समावेशी और सुस्थिर विकास के दृष्टिगत नगर पालिका परिषद/पंचायत तथा क्षेत्र पंचायत में नियोजित विकास हेतु लोकल प्लानिंग अथॉरिटी का गठन किए जाने की आवश्यकता है। इसी प्रकार, प्रदेश स्तर पर टाउन प्लानिंग निदेशालय का गठन किया जाए। नियोजित विकास को ध्यान में रखते हुए नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम तैयार करें। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी विकास प्राधिकरण और औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी भूमि का लैण्ड ऑडिट कराएं तथा लैण्ड रिकार्ड्स को डिजिटाइज किया जाए। लैण्ड रिकार्ड्स का स्थलीय सत्यापन कराया जाए। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की भांति विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र में स्थित ग्राम समाज की भूमि को विकास प्राधिकरणों को दुर्बल/अल्प आय वर्ग के भवनों के निर्माण अथवा जनसुविधाओं के विकास हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित किया जाना उचित होगा। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। राजधानी लखनऊ आज मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में अत्याधुनिक नगरीय सुविधाओं से लैस हो रही है। विभिन्न नगरों से लोग यहां आकर अपना स्थायी निवास बनाना चाहते हैं। आस-पास के जिलों में भी जनसंख्या का दवाब बढ़ रहा है और कई बार अनियोजित विकास की शिकायतें भी मिलती हैं। ऐसे में भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन0सी0आर0) की तर्ज पर ह्यउत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्रह्ल का गठन किया जाना है। इससे सम्बन्धित वैधानिक कार्यवाही को तेजी से पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 06 वर्षों में सतत प्रयास से प्रदेश में विश्वस्तरीय आधुनिक नगरीय परिवहन सेवाएं उपलब्ध हुई हैं। आज लखनऊ, कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद में मेट्रो सेवा संचालित है। दिल्ली-मेरठ आर0आर0टी0एस0, आगरा और कानपुर मेट्रो की निमार्णाधीन परियोजना को तेजी के साथ तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। काशी में कैण्ट रेलवे स्टेशन से गिरजाघर तक बनने वाला रोप-वे आमजन को एक अनूठी नगरीय परिवहन व्यवस्था से परिचय कराएगा। इस परियोजना को शीर्ष प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। हर विकास प्राधिकरण में टाउन प्लानर की तैनाती की जाए। योग्य, दक्ष युवाओं का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। इस कार्य में आई0आई0टी0 अथवा राज्य सरकार के तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों का सहयोग लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जहां कहीं भी ग्रीन बेल्ट है, वहां किसी भी दशा में नई कॉलोनी न बसने पाए। इसे महायोजना में शामिल करें। नई कॉलोनी के विकास के साथ वहां सड़क, सीवर, बिजली, पानी जैसी सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाए। आज उत्तर प्रदेश बड़े राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है। प्रदेश के हर शहर को ऐसे अवसर मिलें, इसके लिए अवस्थापना सुविधाओं का विकास आवश्यक है। सभी मण्डल मुख्यालयों पर अन्तरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेण्टर विकसित किए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर की बनाने में आवास सेक्टर की बड़ी भूमिका है। हमें आगामी 05 वर्षों में 100 नई टाउनशिप्स विकसित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना होगा। इन टाउनशिप्स के विकास के लिए यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में विभिन्न विकासकताओं ने प्रस्ताव दिए हैं। इन्हें समयबद्ध रूप से क्रियाशील किया जाए। भवन का मानचित्र पास कराने, शुल्क जमा करने जैसी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आम आदमी को परेशान न होना पड़े। इसके लिए विभागीय प्रक्रिया को सरल बनाना होगा। इसमें तकनीक की मदद लें। हर पखवाड़े में मानचित्र निस्तारण के लिए मानचित्र समाधान दिवस का नियमित आयोजन किया जाए। इस तिथि का प्रचार-प्रसार करें। आमजन को आवेदन प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों का विकल्प दिया जाए।

ईडी निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल 15 सितंबर तक बढ़ा

नई दिल्ली। तम न्यायालय ने केंद्र सरकार की गुहार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर तक कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर

गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने केंद्र सरकार की गुहार आंशिक तौर पर स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में आगे कोई सेवा विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नोएडा में बिजनेसमैन ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट में लिखा- 'कर्ज से हूं परेशान'

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले एक बिजनेस मैन ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी का कारण आर्थिक तंगी को बताया जाता है। पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया

है। पुलिस के मुताबिक, थाना बिसरख क्षेत्र के अंतर्गत सूर्य हाइट्स सोसायटी, चिपयाना बुजुर्ग के फ्लैट नंबर सी-138 में रहने वाले कर्मवीर (40) ने खुदकुशी कर ली। मृतक ने सोसायटी में बने सिकंदर चौधरी के ऑफिस में प्लास्टिक की रस्सी से फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक का एक फैक्ट्री सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में पार्टनरशिप पर था। मृतक ने सुसाइड नोट में लिखा कि कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी कर रहा हूं।

कैसे बने पक्के मकान और फार्म हाउस, हिंडन और यमुना के डूब क्षेत्र का होगा एरियल सर्वे

नोएडा। यमुना और हिंडन नदी में आई बाढ़ के चलते आसपास के निचले इलाके लबालब पानी से भरे हुए हैं। जिला और पुलिस प्रशासन समेत एनडीआरएफ की टीम को काफी ज्यादा मशक्कत करके लोगों को रेस्क्यू करना पड़ रहा है। नोएडा अथॉरिटी के नए सीईओ और जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने सभी जगहों का निरीक्षण किया था। उन्होंने आदेश दिया कि यमुना और हिंडन में पड़ने वाली सभी जगहों का एरियल सर्वे कराया जाएगा। यह भी सवाल उठाया गया है कि यहां

पर पक्के निर्माण कैसे हो गए, इसकी भी जांच होगी। हिंडन के डूब क्षेत्र में बने सैकड़ों घरों से हजारों लोग पलायन कर रहे हैं। नदी का अस्तित्व संकट में डालकर महज 5 से 8 हजार प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमाफियाओं ने जमीन बेची। अब यहां निवास कर रहे लोगों पर संकट है। हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ा तो सैकड़ों घरों के अंदर पानी भर गया। नोएडा के चोटपुर, हैबतपुर, सोरखा, कुलेसरा पुश्ता, सुत्याना में जलभराव की स्थिति है। यहां से 1,000 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। सभी को नोएडा के सेक्टरों में बने शेल्टर होम में शरण दी गई। डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि हिंडन और यमुना के जलस्तर में थोड़ा सुधार है। बुधवार को यमुना में 44086 क्यूसेक पानी बह रहा था, जो मंगलवार की तुलना में 28 हजार क्यूसेक तक कम हो गया था। ओखला बैराज पर यमुना का जलस्तर 198.15 मीटर मापा गया।

गोपाल राय की अध्यक्षता में हुई पशु कल्याण बोर्ड की पहली बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में पशु कल्याण बोर्ड की पहली बैठक की गई। बैठक के बाद गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में नव गठित पशु कल्याण के मुद्दों को लेकर दिल्ली पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। 19 वर्गों में विभाजित विधायक सोमदत्त और बन्दना कुमारी समेत कुल 27 सदस्य पशु कल्याण बोर्ड में शामिल किए गए है। यह बोर्ड दिल्ली में पशुओं के प्रति होने वाली क्रूरता की रोकथाम और उनकी बेहतरी के लिए कार्य करेगी। साथ ही दिल्ली में पशुओं के इलाज के लिए 5 मोबाइल वैन लगाने के लिए निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही पशुओं के हेल्थ चेकअप के लिए सभी सुविधाओं से लैस पांच डायग्नोस्टिक सेंटर्स बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पशु कल्याण बोर्ड पशु कल्याण से संबंधित कानूनों का

दिल्ली में सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने व इस कार्य से जुड़ी संस्थाओं की मदद करने इस संबंध में परामर्श देने का कार्य करता है। 19 वर्गों में विभाजित 27 सदस्यों के इस पशु कल्याण बोर्ड में आज विधायक सोमदत्त और बन्दना कुमारी समेत राज्य में पशु कल्याण कार्यों में सक्रिय रूप से कार्यरत लोग, संबंधित विभाग के उच्च अधिकारी, एसपीसीए ,गौशालाओ और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस बोर्ड का मुख्य उद्देश्य है कि सभी प्रकार के जीवों की पीड़ा से बचाव करना और उनकी बेहतरी के लिए रोडमैप तैयार करना। आगे गोपाल राय ने बताया कि यह बोर्ड पशु कल्याण से संबंधित कानूनों का दिल्ली में सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने और इस कार्य से जुड़ी संस्थाओं की मदद करने का कार्य करेगा। दिल्ली के 11 जिलों में पशु कल्याण कार्यों में शामिल संगठनों/निकायों को दिशानिर्देशों सहित वित्तीय और तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। इसके लिए यह बोर्ड शासन निकाय के रूप में कार्यरत रहेगा।

आत्महत्या करने की नीयत से यमुना में छलांग लगाए युवक को बोट क्लब की टीम ने किया रेसक्यू

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के जहांगीरपुरी में रहने वाले युवक दीपक ने यमुना में छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। दीपक ने नशे की हालत में वजीराबाद सिग्नेचर ब्रिज से यमुना नदी में छलांग लगाई थी। बुधवार रात को यमुना का जलस्तर रिकार्ड किया गया था जो खतरे से ऊपर बह रही थी। ऐसे में यमुना में कूदे या गिरे किसी भी व्यक्ति की जान बचाना लगभग नामुमकिन है।

यमुना के ऊफान पर होने से लगातार बोट क्लब के गोताखोरों की टीम यमुना में वोट में सवार होकर गस्ती कर रही है। गोताखोरों को दीपक के छलांग लगाने की आवाज सुनाई दी। उसकी आवाज सुनकर गोताखोरों ने यमुना के तेज बहाव में बहते हुए दीपक को देखा और उसका पीछा किया। कुछ देर बाद बहाव का पीछा करते हुए गोताखोरों ने उसके बराबर में वोट लगाई और दीपक को सुरक्षित यमुना के तेज भाव से बाहर निकाल लिया। बोट क्लब इंचार्ज हरीश कुमार द्वारा पूछे जाने पर यमुना में छलांग लगाने वाले युवक ने अपना नाम दीपक बताया। दीपक ने बताया कि वह अपने किसी जानकार के घर वजीराबाद गया था और यमुना में नहाने के इरादे से पुराने वजीराबाद पुल पर पहुंचा था। वहां लोगों के नहाने से मना करने पर वह सिगनेचर ब्रिज आया और सिग्नेचर ब्रिज से छलांग लगा दी। दीपक ने बताया कि पिछले कई दिनों से उसके घर में पारिवारिक क्लेश चल रहा है जिसकी वजह से वह आत्महत्या करने के इरादे से ही वहां गया था। बोट क्लब की टीम के यमुना में होने से उसे सुरक्षित वहां से बाहर निकाल लिया गया। बोट क्लब की टीम पिछले 10 दिनों से यमुना के कोने कोने पर नजर बनाए हुए है।

टीकाकरण पर मीडिया कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। विभिन्न मीडिया माध्यमों से जुड़े हुए मीडिया कर्मियों को टीकाकरण से संबंधित झिझक और भ्रांतियों का सफलता पूर्वक मुकाबला करने तथा अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण के दायरे में लाने एवं इस बाबत प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से यहां एक क्षमता-निर्माण कार्यशाला का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।

इस कार्यशाला का आयोजन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) और यूनिसेफ के बीच संयुक्त साझेदारी के तहत हुआ। बड़ी बात यह है कि यह कार्यशाला अगस्त माह की शुरुआत में चलाये जाने वाले भारत के वैक्सीन कैच-अप अभियान, गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 5.0 के आगामी लॉन्च से पहले आयोजित की गई थी। आईएमआई 5.0 का मुख्य रूप से 0 से 5 वर्ष की आयुसीमा के उन सभी बच्चों पर विशेष रूप से फोकस करेगा जो अभी तक जी डोज के दायरे में आते हैं। बच्चों तक शून्य खुराक पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रत्येक बच्चे को जीवन रक्षक टीका लगाई जाये। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि देश में खसरा और रूबेला उन्मूलन की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे ने खसरा और रूबेला युक्त वैक्सीन (एमआरसीवी) की दो-खुराक की नियत शेड्यूल पूरी कर ली है। इस कार्यशाला में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय और मणिपुर सहित विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक पत्रकारों ने सक्रिय भागीदारी की।

दिल्ली सरकार का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिसंबर तक स्थगित होने की संभावना, नए सिरे से हो रही प्लानिंग

नई दिल्ली। अगस्त माह के दौरान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की मेजबानी करने की दिल्ली सरकार की योजना निर्धारित स्थल उपलब्ध नहीं होने के कारण बाधित हो गई है। पर्यटन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम में फिल्म महोत्सव की मेजबानी करने की योजना थी, लेकिन अब इसे दिसंबर तक स्थगित किए जाने की संभावना है। एक सूत्र ने कहा, 'महोत्सव की दोबारा योजना बनाई जा रही है। हम इसे सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित करना चाहते हैं, लेकिन अगस्त और सितंबर में आयोजन स्थल पर अन्य कार्यक्रम होने हैं। इसलिए हमें इसकी दोबारा योजना बनानी होगी।' एक अन्य सूत्र ने कहा कि महोत्सव के विस्तृत विवरण को समय पर अंतिम रूप नहीं दिया जा सका, जिसके कारण कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित करना पड़ा।

बहुत सारी प्लानिंग की होती है आश्यकता- सूत्र

सूत्र ने कहा, फिल्म महोत्सव के आयोजन के लिए बहुत सारी प्लानिंग की आवश्यकता होती है। कुछ चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। महोत्सव दिसंबर में आयोजित होने की संभावना है। जून में, अधिकारियों ने कहा कि विभाग की पहले फिल्म महोत्सव में फिल्म निर्माण में आजीवन उपलब्धि सहित कई पुरस्कार प्रदान करने की योजना है। सितंबर में समूह की शिखर बैठक की मेजबानी दिल्ली द्वारा किए जाने के मद्देनजर जी20 सदस्य देशों की फिल्मों के लिए एक विशेष खंड की भी योजना बनाई गई थी।

दिल्ली सरकार ने अपने रोज़गार बजट 2022-23 में भी एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की मेजबानी करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। पिछले साल दिल्ली नगर निगम चुनाव और आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण महोत्सव का आयोजन नहीं किया जा सका था।

पंजाब सरकार पर लगाया सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप, सेवादारों ने बनाई यूनियन

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना के नेतृत्व में नेताओं का प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से मिलकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने श्री दरबार साहिब अमृतसर से गुरबाणी के प्रसारण को अपने अधीन करने का प्रस्ताव पास किया है। यह सीधे तौर पर सिखों के धार्मिक मामले में हस्तक्षेप है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपित शिरोमणि गुरुद्वारा

प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कुछ सेवादारों ने एक यूनियन बनाई है जिसे पंजाब सरकार के एसजीपीसी सिखों की धार्मिक संस्था है। यहां व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की तरह श्रम कानून के श्रम विभाग ने पंजीकृत किया है। यह चिंता की बात है, क्योंकि तहत यूनियन बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

पंजाब सरकार के इस तरह के कदमों से स्पष्ट है कि वह सिखों के धार्मिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है। इसे नहीं रोका गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य जतिंदर सिंह साहनी, बलदेव सिंह, तजिंदर सिंह गोपा, जतिंदर सिंह सोनू, रणजीत कौर, सुरिंदर सिंह दारा व एस कुलतारन सिंह कोचर सहित अन्य अकाली नेता मौजूद थे।

आयुष विभाग में निदेशक पद पर प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की नियुक्ति करे दिल्ली सरकारः डॉ सिंह

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ डी आर सिंह ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज को पत्र लिखकर यूनानी चिकित्सा पद्धति के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को रोकने की मांग की है।

डॉ सिंह ने पत्र में यूनानी के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को रोकने की मांग की है। पत्र में यूनानी के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के आयुष विभाग में निदेशक पद पर प्रशासनिक सेवा के किसी अधिकारी की नियुक्ति को जाए, ताकि भेदभाव को रोका जा सके। उन्होंने पत्र में दिल्ली सरकार के आयुष विभाग में उप निदेशक (यूनानी) के पद पर वर्षों से नियुक्ति नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूनानी आयुष का अहम हिस्सा है जो लोगों को सेहत मंद रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का शुभेंदु अधिकारी की विशेष अनुमति याचिका पर शीघ्र सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी के कथित भड़काऊ भाषण मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने श्री अधिकारी की ओर से पेश अधिवक्ता बांसुरी स्वराज से कहा कि यह मामला पहले से ही चार अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के 20 जुलाई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में दायर श्री अधिकारी की याचिका पर शीघ्र

सुनवाई करने का अनुरोध श्री स्वराज ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान किया था। श्री स्वराज ने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश उच्चतम न्यायालय के पिछले आदेश और उच्च न्यायालय की समन्वय पीठ के याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने पर रोक लगाने के आदेश के खिलाफ है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के विपक्ष के नेता श्री अधिकारी का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता ने गंभीर उत्पीड़न और अपनी स्वतंत्रता के लिए खतरे की आशंका जताई है। वह संकटपूर्ण स्थिति में है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 24 जुलाई को विशेष अनुमति याचिका दायर करने के बाद भी उनके खिलाफ पहले ही एक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

अधिवक्ता ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश याचिकाकर्ता को सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना एक जनहित याचिका पर पारित किया गया था।

श्री अधिकारी की याचिका में तर्क दिया गया,पश्चिम बंगाल राज्य में पुलिस तंत्र वर्तमान सत्तारूढ़ दल की मिलीभगत से याचिकाकर्ता के खिलाफ लगातार मामले थोपने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता 2021 में विधानसभा के चुनाव में नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र से राज्य की वर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया था। दलील देते हुए अधिवक्ता ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद लगातार उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

भारतीय समाज आदान-प्रदान का समाज हैः प्रो. बद्री नारायण

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कवि एवं जी.बी. पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने कहा कि भारतीय समाज आदान-प्रदान का समाज है। एक-दूसरे को सम्मान देने का समाज है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में 'प्रो. नामवर सिंह स्मृति व्याख्यान' का आयोजन किया गया। आईजीएनसीए के कला निधि प्रभाग की ओर से आयोजित व्याख्यान' का विषय 'जनतांत्रिक भाव और साहित्य' था, जिसमें प्रो. बद्री नारायण मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने की और स्वागत भाषण आईजीएनसीए के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी ने दिया।

प्रो. नारायण ने कहा कि आईजीएनसीए ने प्रो. सिंह की स्मृति का संस्थानीकरण करने का महत्त्वपूर्ण काम किया है। प्रो. सिंह हमेशा संवाद के पक्षधर थे। उनका साथ हर कोई चाहता था, चाहे वह किसी विचारधारा का हो। प्रो.नामवर जी को किसी से संवाद करने में कोई समस्या नहीं थी। उन्होंने कहा कि नामवर सिंह मौखिक परम्परा को बहुत महत्त्व देते थे। उन्होंने लिखा कम है, बोला ज्यादा है। मौखिक परम्परा लोक चेतना को अभिव्यक्त करती है, जबकि आधुनिकता हमारी संवाद परम्परा को बाधित करती है। प्रो. नारायण ने श्री सिंह के विचारों को उल्लेखित करते हुए

कहा, साहित्यकार 'परकाया प्रवेश' कर समाज के यथार्थ को समझता है, लेकिन अब हमने अपने-अपने बाड़े बना लिए हैं। साहित्य में जनतंत्र का क्षरण हो रहा है। अगर साहित्य में जनतंत्र खत्म हो जाएगा, तो साहित्य कट्टरपंथी हो जाएगा। साहित्यिक जगत के लिए यह बहुत संकट का समय है। साहित्य जगत में कलुष आया है। उन्होंने कहा कि परम्पराओं की बहुलता भारतीय समाज की शक्ति है।÷ उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य में जनतांत्रिक चित्ति को फिर से जीवित करना होगा। इसके लिए, लोक से सीखना के लिए इससे जुड़ना होगा।

प्रो. नारायण ने कहा कि नामवर जी के बाद हिन्दी आलोचना लगभग समाप्त हो गई है। अब साहित्य जगत अलग-अलग खेमे में बंट गया है, जिससे साहित्य को काफी हद तक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तो जातियों के भी अपने अलग-अलग लेखक संगठन बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री सिंह की सैद्धांतिक तथा वैचारिक जड़ें बहुत मजबूत थीं। साथ ही उनके जीवन की जड़ें भी बहुत मजबूत थीं। उनका मन लोक समाज में रमता था, जहां से वे आए थे।

वहीं श्री राय ने कहा, ÷श्री नामवर जी के पास जाने के बाद ये नहीं लगता था कि हम किसी बहुत बड़े, ऊंचे साहित्यकार के पास आए हैं, बल्कि उनके पास जाने से लगता था कि हम अपने अभिभावक के पास आए हैं। साहित्य परम्परा में श्री सिंह उन लोगों में से हैं, जिनमें हम समाज की छवि देख सकते हैं।

विद्यार्थियों को योग कराना जरूरी हैः डॉ. भारती प्रवीण

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने यहां कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए योग कराना बेहद जरूरी है, क्योंकि भारतीय संस्कृति में अंतर्निहित योग और ध्यान के माध्यम से ही मानसिक समस्या से निजात पाया जा सकता है।

डॉ. पवार ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा आयोजित 'संस्थानों से परे मानसिक स्वास्थ्य की परिकल्पनना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के लिए योग को आवश्यक बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, सदस्य, डॉ. डी एम मुले, श्री राजीव जैन, न्यायमूर्ति एम एम कुमार, एनएचआरसी के महासचिव भरत लाल, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस सम्मेलन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के कार्यान्वयन में चुनौतियों पर चर्चा करना और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान हेतु भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श करना था। डॉ. पवार ने कहा, केंद्र सरकार सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों हेतु किफायती प्रभावी उपचार की उपलब्धता और पहुंच को बढ़ावा दे रही है÷। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को प्रमुख आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है। मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवा के शुभारंभ के बाद से, 42 टेली-मानस सेल स्थापित किए गए हैं, जो पहले ही दो लाख से अधिक कॉल रिकॉर्ड कर चुके हैं। वहीं न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि एक कल्याणकारी राज्य में, प्रत्येक मानव को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना राज्य का दायित्व है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 147 के तहत अनिवार्य है। अस्पताल उत्तम मानकों के अनुरूप चलने चाहिए, जिसमें डिजिटल और आत्महत्या की रोकथाम सहित गुणवत्तापूर्ण अधिकारों के साथ गुणवत्तापूर्ण देखभाल को बढ़ावा देना, मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और हस्तक्षेप करना शामिल हो।

नोएडा के डूब क्षेत्र में बसी अवैध कालोनियों व फार्म हाउसों पर चलेगा बुल्डोजर

गाजियाबाद यमुना और हिंडन नदी ने डूब क्षेत्र में जो तबाही मचाई है उसके बाद डूब क्षेत्र में बने अवैध निर्माण और फार्म हाउसों पर बुल्डोजर का चलना तय हो गया है। डूब क्षेत्र में भू-माफियाओं ने कालोनियां काटकर हजारों मकान बनवा दिये। जिसमें हजारों लोग रह रहे हैं। वहीं डूब क्षेत्र में बने आलीशान फार्म हाउसों पर भी गाज गिरना तय है।

नोएडा को घेरे हुए हैं दोनों नदियां गौतमबुद्धनगर जिले के नोएडा शहर को यमुना व हिंडन नदी ने घेर रखा है। इन दोनों नदियों के किनारे की जमीन को डूब क्षेत्र कहा जाता है। डूब क्षेत्र में भूखंड खरीदने और बेचने पर प्रतिबंध है। नोएडा में यमुना नदी सेक्टर-94, 124, 125, 127, 128, 131, 133, 134, 135 व सेक्टर-168 के किनारे से होकर गुजरती है। वहीं, हिंडन नदी छिजारसी से प्रवेश कर सेक्टर-63ए, बहलोलपुर, शहदरा, सुत्याना, गढ़ी चौखंडी, चोटपुर, सेक्टर-123, 118, 115, 143, 143ए, 148 तथा 150 व मोमनाथन के पास से निकलकर यमुना से मिल जाती है। इन दोनों नदियों के डूब क्षेत्र में भू-माफियाओं ने बड़े पैमाने पर कालोनियां काटी हैं। नदी की जमीन पर कब्जा करके कालोनियां काटने का यह अवैध धंधा तीन दशक से चल रहा है। अवैध कालोनियों के अलावा पूंजीपतियों की अय्याशी के लिए यहां बड़ी संख्या में फार्म हाउस के नाम पर अय्याशी के अड्डे बनाए गए हैं। यमुना के डूब क्षेत्र में तो एक हजार के करीब फार्म हाउस बनाये जा चुके हैं। डूब क्षेत्र में बने अवैध निर्माण की

बाकायदा रजिस्ट्री भी की गई है। डूब क्षेत्र में निर्माण करने वालों का दावा था कि इस क्षेत्र में जलभराव नहीं होगा। प्राधिकरण ने डूब क्षेत्र में बने 150 फार्म हाउसों पर कार्यवाही भी की थी, लेकिन कोर्ट के स्टे के बाद फार्म हाउसों पर कार्यवाही रोकनी पड़ी थी। **बाढ़ में डूबे फार्म हाउस, अवैध कालोनियां** यमुना और हिंडन में आई बाढ़ ने दोनों नदियों के डूब क्षेत्र में बने आलीशान फार्म हाउसों व अवैध निर्माण को पानी में डुबो दिया। नोएडा प्राधिकरण के नए सीईओ डा. लोकेश एम. ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया तो वे भू-माफियाओं की कारस्तानी देखकर अचंभित रह गए। उन्होंने सवाल पूछा कि इतनी बड़ी अंधेरगीरी कैसे हो सकती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए डा. लोकेश एम. ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिये कि डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण की पहचान कर प्लॉट वाइज रिपोर्ट तैयार करें। साथ ही रजिस्ट्री विभाग की भी जिम्मेदारी तय ठहराई कि कैसे डूब क्षेत्र में रजिस्ट्रियां हुई।\ सीईओ ने डूब क्षेत्र में बने फार्म हाउसों पर भी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये हैं। प्राधिकरण के सूत्रों के मुताबिक नोएडा प्राधिकरण ने डूब क्षेत्र में डूबे अवैध निर्माण व फार्म हाउसों की वीडियाग्राफी व ड्रोन सर्वे कराकर प्राधिकरण के विधि अधिकारी के माध्यम से रिपोर्ट शासन व कोर्ट को भेज दी है। प्राधिकरण, प्रशासन और सिंचाई विभाग डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण व फार्म हाउसों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की तैयारियों में जुट गया है। शासन व कोर्ट से हरी झंडी मिलते ही डूब क्षेत्र में बने अवैध निर्माण और फार्म हाउसों पर बुल्डोजर चलना तय माना जा रहा है। **डूब जाते हजारों लोग** हाल ही में आई बाढ़ के दौरान यदि प्रशासनिक तंत्र सचेत नहीं होता तो भू-माफियाओं द्वारा बसाई गई अवैध कालोनियों में रहने वाले हजारों लोग पानी में डूबकर मर जाते। समय रहते प्रशासनिक तंत्र ने लोगों को राहत कैंपों में पहुंचाया। इस प्रकार हजारों परिवार डूबने से बच गए। पर्यावरणविदों का कहना है कि अवैध कालोनियां व फार्म हाउस काटने वालों की वजह से हिंडन और यमुना में बाढ़ आती है।

संक्षिप्त डायरी

टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

गौतम बुध नगर। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में "विश्वविद्यालय में उद्यमिता और कुशल मानव संसाधन केंद्र" विकसित करने के ध्येय सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की क्षमता निर्माण में और अतिरिक्त कौशल को बढ़ाने में एक मिल का पत्थर साबित होगा। इस समझौते पर जीबीयू और एसटीपीआई की तरफ से डॉ. विश्वास त्रिपाठी, रजिस्ट्रार और श्री राकेश गैरोला, सीएओ सह रजिस्ट्रार क्रमशः ने प्रो आर.के. सिन्हा, कुलपति, डॉ. अरविंद कुमार, महानिदेशक, एसटीपीआई, डॉ. रजनीश अग्रवाल, निदेशक, एसटीपीआई, प्रो एन.पी. मेलकानिया, अध्यक्ष, एमओयू समिति सह डीन, अकादमिक, जीबीयू की एमओयू समिति के सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। बैठक कि शुरूआत सभी उपस्थित सदस्यों के परिचय से हुआ। तत्पश्चात प्रो. एन.पी. मेल्कानिया, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुबंध समिति ने बताया कि यह पहल दोनों संस्थानों को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक एवं शोध, और ट्रैनिंग गतिविधियों कई श्रृंखलाओं के माध्यम से छात्रों की क्षमता निर्माण में पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और शर्तों पर एक साथ काम करने के लिए एक मंच प्रदान करने जा रही है। एसटीपीआई के महानिदेशक डॉ. अरविंद कुमार ने संक्षेप में अपने संगठन का परिचय दिया और बताया कि उनकी संस्थान भारत सरकार के वर्तमान इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत तहत एक स्वायत्त संस्था के रूप में पंजीकृत है। एसटीपीआई विज्ञान एवं तकनीकी की एक प्रमुख संगठन है जो उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आईटी/आईटीईएस उद्योग, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, स्टार्ट-अप, उत्पाद/आईपी निर्माण को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। 1991 में अपनी स्थापना के बाद से, एसटीपीआई पूरे भारत में समान और समावेशी आईटी आधारित विकास की दिशा में काम कर रहा है, जिसने सॉफ्टवेयर निर्यात, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) और सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास को बढ़ावा देने में मदद की है। 11 न्यायिक निदेशालयों और 62 केंद्रों के साथ, एसटीपीआई ने आईटी/आईटीईएस उद्योग को समर्थन देने के लिए पूरे भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करते हुए, एसटीपीआई ने देश को पसंदीदा आईटी गंतव्य के रूप में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अनुबंध से यहाँ विश्वविद्यालय में सेंटर ऑफ इंटरप्रेन्यूरशीप ताकि एक टैलेंटेड, ट्रेंड, और स्किल्ड फोर्स तैयार किया जा सके रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने कहा है कि यह समझौता ज्ञापन हमें भागीदारी मोड, जैसे इंटर्नशिप, प्लेसमेंट के माध्यम से प्रबंधन, प्रौद्योगिकी के साथ-साथ अन्य संबंधित क्षेत्रों में उद्यमिता और कुशल मानव संसाधन केंद्र विकसित करने में मदद करेगा। कुछ के नाम बताने के लिए क्षेत्र का दौरा। विश्वविद्यालय एम.टेक और पीएच.डी. में प्रवेश भी प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार एसटीपीआई के कर्मचारियों को कार्यक्रम। इस समझौते पर हस्ताक्षर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रो रविन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोध में कहा कि यह समझौता हमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉक-चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, संवर्धित और आभासी वास्तविकता, डेटा विज्ञान, साइबर सुरक्षा, 4.0 औधयोगिक क्रांति, ड्रोन, दक्षता संवर्धन, आदि जैसी नई तकनीकी शिक्षा और उससे संबंधित ट्रैनिंग विश्वविद्यालय के छात्रों को उपलब्ध करने में काफी मददगार होगी। निदेशक डॉ. रजनीश अग्रवाल का विचार था कि हम सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए जीबीयू और एसटीपीआई की टीम की भागीदारी के साथ संबंधित तकनीकी और विशेषज्ञता के नए क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान/परामर्श का कार्य करने जा रहे हैं। और साथ ही अन्य समान निकायों जैसे व्याख्यान/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के अन्य समान आयोजन भी आयोजित करेंगे। श्री राकेश अग्रवाल ने कहा कि हम विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप, फील्ड विजिट, शैक्षणिक परियोजनाओं और सामान्य रुचि के क्षेत्रों में आदान-प्रदान, स्टार्ट-अप/उद्योग पेशेवरों और छात्रों को पुस्तकालय और प्रयोगशाला का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करने के लिए कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।

एकता और अनुशासन का प्रतीक

गौतम बुध नगर। हमारे पाठकों के साथ इस दिलछू लेने वाले पल को साझा करने पर हमें गर्व है! हमारे एनसीसी कैडेट, भारी बारिश का सामना करते हुए, अपने साहसपूर्वक करगिल दिवस को समर्पित करने के लिए एसएचसीएस के समस्त कर्मचारियों के समर्थन से सहायता प्राप्त की। उनका समर्पण सैन्य सैनिकों के बलिदान को याद करने के लिए सच्ची प्रेरणा था! इस अवसर पर, हमारे कैडेटों को करगिल युद्ध के एक सुंदर और संवेदनशील डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। इससे हमारे सैन्य सैनिकों ने उन कठिन समयों में दिखाए गए अद्भुत जज्बे और वीरता का जिक्र किया गया।हमारे कैडेटों ने हमारे बहादुर शहीदों को समर्पित नारे बुलंदी से उठाए। उन्होंने अपनी कला की भावुक चमक से भरी चित्रकारी के माध्यम से भारतीय सैनिकों की शौर्य और बलिदान को सुंदरता से दशार्या।राष्ट्रीय गान के साथ, हम एकजुट होकर अपने बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मिले। इसके बाद हमारे आदरणीय प्रिंसिपल, डॉ. आशा शर्मा ने चली सूध के साथ चुपचाप खड़े होकर हमारे शहीदों के प्रति आभार और सम्मान का संकेत दिया खास तालियाँ हमारी अद्भुत लड़की कैडेटों को, जो सुबह 6 बजे हवाई मौसम में एनीओ प्रियंका जी के साथ ड्रिल क्लासेज को आगे बढ़ाने के लिए तैयार थीं। आपका अनुशासन और समर्पण सभी के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है।एनसीसी केवल एक वर्दी नहीं है; यह एकता और अनुशासन का प्रतीक है, और हमारे कैडेट ने आज इसे सुंदरता से प्रदर्शित किया। ऐसे पलों ने हमारे हृदय को भारतीय राष्ट्र के भविष्य के लिए गर्व और आशा से भर दिया है। डॉ. आशा शर्मा, प्रिंसिपल के रूप में, हमारे कैडेटों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें उनके समर्थन को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उनकी मौजूदगी और मार्गदर्शन ने इस आयोजन की सफलता के पीछे एक प्रेरणा स्रोत साबित हुआ।आगाज में, डॉ. आशा शर्मा ने एक दिलचस्प भाषण दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय सैन्य के शौर्य, समर्पण, और बलिदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "ये एक ऐसी अवसर है जब हमें अपने सैन्य सैनिकों के वीरता को याद करने और उनके समर्थन में एकजुट होने का अवसर मिलता है। हमारे लिए यह अनमोल है कि हमारे कैडेट इस प्रतिवेदन को बढ़ावा देने के लिए इतने उत्साह से तैयार हुए हैं।"इस भाषण के बाद, कैडेटों ने उत्साह और जोश के साथ भारतीय सैन्य के लिए नारे लगाए और अपनी चित्रकला के माध्यम से शौर्य और बलिदान का सुंदर प्रतिनिधित्व किया। वे आत्मनिर्भरता और समर्पण का अद्भुत उदाहरण थे।करगिल युद्ध के शहीदों को समर्पित राष्ट्रीय गान के साथ हम सभी ने वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस आदर्श शृंगार के बाद, एक मौन सिरफिरा ने डॉ. शर्मा द्वारा लाये गए संबोधन की शक्ति और सराहना कर भावों को समर्थन किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे०पी० नड्डा से मिले सत्येन्द्र नागर

नोएडा/दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी जनपद गौतमबुद्ध नगर के जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र नागर ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नडडा से शिष्टाचार भेंट की तथा विभिन्न सांगठनिक विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।नागर पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री भी रहे हैं। मुलाकात के बाद नागर ने बताया कि यह सिर्फ भरतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि एक सामान्य कार्यकर्ता भी भी अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर अपना विषय रख सकता है। नागर ने यह भी बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने स्नेह भरा आशीर्वाद देते हुए समर्पित भाव से पूर्ण निष्ठा व लग्न के साथ पार्टी के लिए काम करते रहने के लिए प्रेरित किया।नागर ने बताया कि देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में सेवा,सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी व क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया के संगठनात्मक कौशल के बल पर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 400 सीटें जीतकर पुनः सरकार बनाएगी।

अश्लील हरकत की शिकायत करने पर पीड़िता व उसके पिता के साथ मारपीट

नोएडा। नोएडा में एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत का विरोध करने पर आरोपी के परिवार द्वारा पीड़िता और उसके पिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि एक छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि स्कूल आते- जाते समय एक युवक उसके साथ अश्लील हरकतें करता है और जब उसके परिवार के लोगों ने युवक के घर पर जाकर इसकी शिकायत की तो उनके साथ मारपीट कर उसके परिजन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि 26 जुलाई को वह जब स्कूल से घर लौट रही थी तो रास्ते में आरोपी शिवम ने फिर से उसके साथ छेड़छाड़ की। थाना प्रभारी ने कहा कि दर्ज शिकायत के अनुसार जब छात्रा के परिजन आरोपी शिवम के घर शिकायत करने के लिए पहुंचे तो शिवम, उसके पिता मनोज और अन्य लोगों ने छात्रा तथा उसके पिता के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

मारीपत रेलवे स्टेशन का नाम बदल कर रखा जाए गुर्जर समाज के किसी महापुरुष के नाम

दादरी। पूर्व ब्लाक प्रमुख कर्मवीर नागर ने बताया कि उत्तर रेलवे क्षेत्र के दिल्ली- अलीगढ़ रेल मार्ग पर गाजियाबाद और दादरी के बीच स्थित मारीपत रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर गुर्जर समाज के किसी महान पुरुष के नाम पर रखा जाना चाहिए। मारीपत रेलवे स्टेशन का नाम बदलने से इस क्षेत्र की जन भावनाओं का सम्मान होगा। जैसा कि सब जानते हैं यह रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश के जनपद गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा और दादरी विधानसभा क्षेत्र की सीमांतर्गत आता है। इस स्टेशन के इर्द-गिर्द दूर-दूर तक गुर्जर जाति का बाहुल्य है। दादरी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक भी गुर्जर समाज से ही ताल्लुकात रखते हैं। बड़े कौतूहल का विषय है कि मारीपत रेलवे स्टेशन का नामकरण किस आधार पर किया गया है इस विषय

में इस क्षेत्र के लोगों से पूछा जाए तो कोई कुछ नहीं जानता। भले ही लोगों ने कोई किवदंती गढ़ रखी हो लेकिन वह प्रमाणिक नही है। क्योंकि जहां पर यह स्टेशन स्थित है वहां मारीपत नाम से न कोई गांव है, न कोई कस्बा है और ना ही ऐसा कोई ऐतिहासिक नामोनिशान है जिसकी वजह से इस रेलवे स्टेशन का नाम मारीपत रखा गया हो। इसीलिए क्षेत्र की जनता चाहती है कि गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र के बीच स्थित इस स्टेशन का नाम मारीपत से बदलकर किसी ऐसे महापुरुष, स्वतंत्रता सेनानी, प्रसिद्ध उद्योगपति अथवा किसी सर्वमान्य व्यक्तित्व के नाम पर रखा जाय जो गुर्जर समाज से ताल्लुकात रखता हो। अगर सुझाव के तौर पर ऐसे नामों पर नजर डालें तो स्व.राजेश पायलट के नाम पर इस रेलवे स्टेशन का नाम रखना सबसे सटीक, बहतर और लोकप्रिय होगा क्योंकि इसी मारीपत स्टेशन से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर स्व श्री राजेश पायलट का पैतृक गांव वैदपुरा स्थित है जहां पर उनका समाधि स्थल और स्व राजेश पायलट के नाम से अस्पताल भी निर्मित है। इसके अतिरिक्त अगर गुर्जर समाज के अन्य लोकप्रिय महापुरुषों पर नजर डाली जाए तो गुर्जर समाज के प्रसिद्ध उद्योगपति स्व. चौधरी वेदराम नागर का नाम भी इस क्षेत्र का काफी चर्चित और लोकप्रिय नाम है। अगर धार्मिक आस्था की दृष्टि से नजर डालें तो इस क्षेत्र में दादी सती काफी पूज्यनीय है। इसी तरह अगर ऐतिहासिक महापुरुषों पर नजर डालें तो बिजोलिया किसान आंदोलन की अगुवाई करने वाले गुर्जर समाज से ताल्लुकात रखने वाले श्री विजय सिंह पथिक और गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जैसे नामों पर भी इस स्टेशन का नाम रखने के लिए विचार किया जा सकता है। अगर रेल मंत्रालय और भारत सरकार मारीपत रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर गुर्जर समाज के किसी महापुरुष के नाम पर रखती है तो यह इस क्षेत्र की जन भावनाओं का बहुत बड़ा सम्मान होगा और इस क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत बड़ा तोहफा माना जाएगा।

तय रेट से ज्यादा पर बीयर बेची, केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेनो वेस्ट के रोजा जलालपुर गांव स्थित ठेके के सेल्समैन ने ग्राहक को प्रिंट रेट से 10 रुपये अधिक पर बीयर की बोतल दी। इस पर ग्राहक ने सेल्समैन के खिलाफ बिसरख कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिसरख पुलिस के मुताबिक मिलक लच्छी गांव निवासी प्रेम सिंह ने बताया कि वह बुधवार शाम रोजा जलालपुर स्थित ठेके पर

बीयर खरीदने गए थे। सेल्समैन ने उन्हें 170 रुपये में बीयर की बोतल दी, जबकि बोतल पर प्रिंट रेट 160 रुपये लिखा था। उन्होंने पेटीएम के जरिए भुगतान किया। प्रेम सिंह ने अधिक रुपये वसूलने का विरोध किया तो सेल्समैन ने कहा कि वह 10 रुपये अतिरिक्त लेता है। इसकी शिकायत लेकर पीड़ित बिसरख कोतवाली पहुंचा और लिखित शिकायत दी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी सेल्समैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जिलाधिकारी ने बैठक की समीक्षा करते हुये शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में निपुण भारत अभियान एवं मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभावी अनुश्रवण के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

गौतमबुद्धनगर: प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप सरकारी विद्यालय के परिसरों का कायाकल्प एवं शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निपुण भारत अभियान एवं मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभावी अनुश्रवण के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। डीएम ने निपुण भारत अभियान के कार्यों की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनपद के समस्त विद्यालयों का कायाकल्प का कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिन विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य चल रहा है निरंतर उनकी मॉनिटरिंग की जाए ताकि गुणवत्ता परक रूप से कार्य पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया किया निपुण भारत अभियान के तहत प्रगति रिर्पोट से भी अवगत कराया जाये। उन्होंने जिला टास्क फोर्स के द्वारा विद्यालयों में किये गये निरीक्षण की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये संबन्धित अधिकारी को निर्देश दिये कि ससमय लक्ष्य के सापेक्ष निरीक्षण शत प्रतिशत पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिला अधिकारी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति प्रतिशत कम होने पर अनुपस्थित अध्यापकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। डीएम ने समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा यू डायस पर शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं का डाटा फीड एवं शत प्रतिशत छात्र छात्राओं का आधार वेरीफाई कराए जाने का कार्य पूर्ण कराए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीएम ने बैठक की समीक्षा करते हुए बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षकों को यह भी निर्देश दिये कि उनके द्वारा अपने कार्यों में रुचि लेते हुए शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि की जा सके। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता व मोजा खरीदने के लिए जो धन राशि हस्तांतरित की जाती है अध्यापक गण निरंतर मॉनिटरिंग करें कि उनके द्वारा यूनिफॉर्म, जूता, मोजा खरीदा गया है या नहीं। जिलाधिकारी इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि उनके जनपद की शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता लाने एवं शिक्षा से सम्बन्धित योजनाओं का शत-प्रतिशत पात्र छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि जनपद शिक्षा क्षेत्र में प्रदेश की रैकिंग में अग्रणी स्थान बना सकें। जिलाधिकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए की प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को जो मिड डे मील उपलब्ध कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनी रहे एवं विद्यालयों में सभी मूलभूत सुविधाएं भी पढ़ने वाले छात्र छात्रों को मानकों के अनुरूप प्राप्त हो। इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एश्वर्या लक्ष्मी के द्वारा किया। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी गण तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

देवता भी तरसते हैं मनुष्य जन्म पाने के लिएः ऊपेंद्र मुनि

करनाल। मानव का जन्म बड़े पुण्यों के बाद मिलता ळैं। इसय लिए इस जन्म को दूसरों की सेवा में लगाना चाहिए। यह बात जैन समाज के राष्ट्रीय संत ऊपेंद्र मुनि ने कही। वह करनाल में जैन स्थानक सैक्टर चौदह में प्रबचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़े भाज्य से मनुष्य का जन्म मिलता है। श्रमण भगवान ने कभी कहा था कि मनुष्य जीवन बड़ी दुर्लभता से प्राप्त होता है कहते है कि देवलोक का इन्द्र भी यह सोचता है कि यह दिन कब आएगा जब मुझे मनुष्य का जीवन प्राप्त होगा? इस संसार रूपी सागर को तिरने का एक मात्र साधन है। मनुष्य जीवन देवी देवता नारी पशु पक्षी आदि को धर्मनिरपेक्ष का अवसर प्राप्त नहीं होता फिर संसार सागर कैसे तिर सकते। जब भगवान महावीर से पूछा गया कि दुर्लभ क्या है? उन्होंने कहा- मनुष्य जीवन गवाह कहा था कि मनुष्य योनि का नाम कठिन है। उन्होंने कहा कि दुर्लभ ग्रन्थ ही गया। सर्व का यह निष्कर्ष है कि बड़े भागी लोग ही मनुष्य का जीवन प्राप्त होता है। इस साल जीवन की महिमा तमाम दुनिया के दर्शन मात्र में है और वास्तव में इस जीवन का मिलना देवताओं के लिए भी दुर्लभ है कभी महाभारत के यम से एक सन्देश दिया गया सुनों में तुम लोगों की एक बहुत ही गुप्त बात बता रहा हूँ- मनुष्य से बढक़र और कुछ श्रेष्ठ नहीं है। उपरोक्त सन्देश देते हुए हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में जैस सन्त श्री उपेन्द्र मुनि जी ने कहा कि मनुष्य नहीं है जो मन के द्वारा तेम उपादेश धर्म अ धर्म का विचार करते है तथा कार्य करने में निपुण और उत्कृष्ट के धारक है। यथार्थ में मनुष्य उसे ही समझना चाहिए। जो धर्म वचन सुने, उनमें विश्वास रथे औरतदनुसार आवरण द्वारा तपस्वी बनकर अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण करे और आत्मा पर जमे पाप मल को हटाने में प्रतिपल प्रयत्नशील रहे। किसी विद्वान ने कहा था कि पांच लक्षणों से मनुष्य की पहचान होती है- सुपात्र को दान देने वाला, गुणों में अनुराग रखने याला वाट कर सोने वाला शास्त्रों का ज्ञाता और साथ के लिए युद्ध करने में सुधी तथा मनुष्य के पांच रत्न है- प्रेम, मैत्री, क्षमा संयम और समता भाव/मनुष्य को चाहिए कि इन पांच रत्नों से अपने जीवन को सजा कर रखे। मुनिश्री उपेन्द्र जी ने कहा कि मुर्ख व्यक्ति समुन्द्र को नमक जी जान समझता है और चतुर व्यक्ति रत्नों की, वैसे ही ज्ञानी मनुष्य जीवन को कल्याण का साधन मानता है और मूर्ख भोग भोगने का सुज्ञपुरुष जप तप त्याग के भारा जीवन का सफल बनायें।

वर्षा के कारण बढ़ी हुई नमी और दुषित पानी से फैलता है आई फ्लू: उपायुक्त

पानीपत। उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि आई फ्लू के मामलों में हो रही बढोतरी को लेकर प्रशासन गंभीर है। मामलों की बढ़ोतरी को देखते हुए जिले के नागरिकों को कुछ जरूरी दिशा निर्देश दिये गये है जिसके पालना से आई फ्लू से अपने आपको बचा सकते हैं। आई फ्लू से उत्पन्न स्थिति पर बारिकी से निगरानी रखी जा रही है। हमें इसको लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। उपायुक्त ने ओवर-द-काउंटर दवाओं के उपयोग न करने के निर्देश दिये हैं।

उपायुक्त ने बताया कि मानसून का मौसम अभी समाप्त नहीं हुआ है। आई फ्लू के मामलों में हो रही वृद्धि का कारण वर्षा के कारण उत्पन्न नमी को माना जा रहा है, जिसने विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित किया है। वर्षा के कारण बढ़ी हुई नमी, मध्यम पर्याप्त तापमान, अस्वास्थ्यकर स्थितियां, दूषित जल का ठहराव और तेज गति से चलने वाले वाहनों द्वारा सडक़ों से गंदे पानी का जमाव संक्रमण के बढऩे का प्रमुख कारण है। उपायुक्त ने बताया कि गुरूवार को दोपहर तक 250 से ज्यादा ओपीडी हुई हैं जो चिंता का कारण है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं हैं। भीमसैन सच्चर अस्पताल में सुविधाएं प्रयाप्त है। अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर हैं व दवा तक की सम्पूर्ण सुविधा है।

भीमसैन सच्चर अस्पताल की डॉ.शालिनी महता का कहना है कि इस बार बढ़ोतरी मौसमी बदलाव के कारण हुई है। ऐसा इसलिए भी है इस साल अधिक बारिश हुई है। बच्चे अक्सर वायरस,बैक्टीरिया से दूषित स्तह को छूते हैं और उन्हीं हाथों से अपनी आंखें पर रगड़ते हैं जिससे संक्रमण फैलता है। उन्होंने बताया कि इसके लक्षणों में खुजली, पानी जैसा स्राव, पलकों की सूजन, हल्की लालिमा शामिल है। उन्होंने बताया कि हमें सावधानी बरतते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना होगा, प्रभावित व्यक्ति और आसपास के लोगों द्वारा बार-बार हाथ धोना, चेहरे को छूने से बचना, जरूरत पडऩे पर सुरक्षात्मक चश्मे का उपयोग करना और आंख से संबंधित कोई भी लक्षण महसूस होने पर पेशेवर चिकित्सा सलाह लेना महत्वपूर्ण है।

संयुक्त ब्राह्मण महाधिवेशन करनाल में 6 अगस्त को

घरौंडा। संयुक्त ब्राह्मण महाधिवेशन करनाल में 6 अगस्त को होना निश्चित हुआ है। ब्राह्मण महासभा हरियाणा एवं विश्व ब्राह्मण संघ के प्रदेशाध्यक्ष पंडित जिले सिंह पिचोलिया ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया 6 अगस्त 2023 को करनाल में संयुक्त ब्राह्मण महा अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रदेश भर के इलावा देश भर से विप्र समाज भाग लेगा। पिचोलिया ने बताया कि इस महा अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों को साथ लेकर निम्न एजेंडे पर विचार किया जाना है जिसमें प्रमुख ब्राह्मण कल्याण आयोग का गठन, राज्य कार्यसमिति, डेपुटेशन कमेटी एवं राज्य कार्यकारिणी का गठन, संयुक्त मांग पत्र तैयार करने बारे विचार, ब्राह्मण संगठन को मजबूत करने हेतु गांव ब्लॉक जिला एवं राज्य स्तर पर मीटिंग करने बारे, ब्राह्मण समाज को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक तौर पर मजबूत करने बारे विचार विमर्श किया जाएगा तथा अन्य एजेंडे जो भी होंगे वह अध्यक्ष की अनुमति से विचार विमर्श के लिए लाए जाएंगे । आपको बता दें कि हरियाणा भर का ब्राह्मण समाज कई वर्षों से इस मांग को उठा रहा है कि प्रदेश में ब्राह्मण कल्याण आयोग का गठन किया जाए । जिसको लेकर कई बार मुख्यमंत्री के समक्ष भी इस बात को रखा जा चुका है। इस महाअधिवेशन में इस पर भी जोर शोर से विचार होगा।

सहकारिता से खुलेंगे राष्ट्र की समृद्धि के रास्ते : रामबिलास शर्मा

महेंद्रगढ़। पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल माध्यम से राजस्थान के सीकर में राष्ट्रहित की कई योजनाओं के शुभारंभ कार्यक्रम में जनपद के राम खाद बीज भंडार, अनाज मंडी रोड, नजदीक कोऑपरेटिव बैंक महेंद्रगढ़ पर वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। पूर्व शिक्षा मंत्री ने किसान शक्ति केन्द्रों से सहकारिता एवं कृषि जगत में होने वाली प्रगति के बारे में उपस्थित ग्रामीणों को अवगत कराते हुए कहा कि सरकार फेज वाइज तरीके से देश में खुदरा उर्वरक दुकानों को पीएम किसान समृद्धि केंद्र में परिवर्तित कर रही है, ये केंद्र किसानों को कृषि-कच्चा माल, मिट्टी परीक्षण, बीज और उर्वरक की सुविधा प्रदान करेंगे ताकि किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी, कॉपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन कवर सिंह यादव, जिला पार्षद देवेंद्र यादव, विजय शर्मा अमित मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

जनता की सुविधा के लिए बारिश के मौसम में सडक़ों को मोटरेबल बनाए रखें अधिकारी, न लें टैण्डर का बहाना- अनीश यादव, उपायुक्त

करनाल। जिला सडक़ सुरक्षा समिति की गुरूवार को हुई मासिक बैठक में समिति के चेयरमैन एवं उपायुक्त अनीश यादव ने सडक़ निर्माण अधिकारियों को हिदायत दी कि बारिश के दिनो में बिटुमिन युक्त सडक़ों का खराब हो जाना स्वभाविक है, लेकिन जनता की सुविधा के लिए सडक़ों को मोटरेबल जरूर बनाए रखें। बारिश या टैण्डर का बहाना न लें। बारिश खत्म होने के तुरंत बाद सभी सडक़ों की युद्ध स्तर पर मरम्मत शुरू की जाए और हर महीने इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सडक़ सुरक्षा समिति की प्रत्येक बैठक में कम से कम एक महीने का अंतराल होता है। एजेंडा में बताए गए बिन्दू पर कार्रवाई करने के लिए यह समय काफी है। इस पर अमल करें, ताकि कोई भी बिन्दू लंबित न रहे। स्पीड ब्रेकर बनाने के एक बिन्दू पर उन्होंने नसीहत दी कि जो भी करें अच्छा करें। ऐसी कोई भी कमी न छोड़े, जिससे जनता को बोलना पड़े, वैसे टेबल टॉप का डिजाईन आईडियल है।

नियमो का पालन न करने वाले वाहनो के ऑफलाईन चालान करने पर जोर- सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में चालान करने के एक बिन्दू पर उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने इस बात पर जोर दिया कि ऑनलाईन चालान को कई लोग हल्के में लेते हैं, यह भी कहते हैं कि चालान क्यों और कैसे हुआ, पता नहीं। इसे देखते शहर के चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी खड़े होकर ऑफलाईन चालान करें। इससे सडक़ नियमो का पालन करने के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

बीते मास में कितने चालान हुए, आर.टी.ए. सचिव ने दी रिपोर्ट- मीटिंग में मौजूद आर.टी.ए. सचिव विजय देसवाल ने रिपोर्ट दी कि बीते मास जून में पुलिस विभाग द्वारा अलग-अलग वायलेशन के 9402 चालान किए गए और दोषी व्यक्तियों से 29 लाख 52 हजार रुपये की रिकवरी की। इसी प्रकार आर.टी.ए. कार्यालय द्वारा इस अवधि में ओवरलोडिंग के 387 चालान किए गए तथा 1 करोड़ 47 लाख 43 हजार 500 रुपये की रिकवरी की गई। ईराड की महत्ता बताई- पुलिस अधीक्षक ने इंटाग्रेटिड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस (ईराड) की महत्ता बताई और कहा कि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी करने के लिए यह काफी मददगार हो रहा है। उन्होंने देश के तमिलनाडू का उदाहरण देते बताया कि वहां ईराड से दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी आई है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि करनाल जिला में ईराड से प्राणघाती दुर्घटनाओं में 17 प्रतिशत की कमी आई है और दुर्घटना से हुई मौतें भी 11 प्रतिशत कम हुई है। दुर्घटनाएं रोकने के लिए कार्यरत अधिकारियों से उन्होंने कहा कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर जितने भी ब्लैक स्पॉट पहचान किए जाते हैं, अधिकारी उन्हें प्राथमिकता में लेकर कार्य करें। अगली मीटिंग में हाईवे अनुसार की गई कार्रवाई की अलग-अलग रिपोर्ट लेकर आएं।

फिर उठा ई-रिक्शा का मुद्दा- मीटिंग में इस बार भी शहर में गैर अनुशासित घूमती ई-रिक्शाओं का मुद्दा उठा। आर.टी.ए. ने बताया कि 4600 ई-रिक्शाएं एच.आर.-45 नम्बर से रजिस्टर्ड हैं, बाकि नहीं हैं। गैर-सरकारी सदस्यों ने भी इस बिन्दू पर मीटिंग में चर्चा की। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि बस स्टैण्ड, कमेटी चौक, लघु सचिवालय व कोर्ट तथा रेलवे स्टेशन जैसी व्यस्त जगहों पर पुलिस अपनी त्वज्जो बढ़ाए।

सडक़ों की मरम्मत से सम्बंधित एस्टीमेट बनाए जाने की दी रिपोर्ट- बता दें कि मासिक बैठक के एजेंडे में सडक़ सुरक्षा से सम्बंधित पिछले महीनो से लंबित 17 बिन्दू थे] जबकि इस मीटिंग के 24 बिन्दू थे। अधिकारियों ने उपायुक्त को रिपोर्ट दी कि घोघड़ीपुर फाटक, मूनक रोड बाईपास पर कंजैशन खत्म करने के लिए पी.डब्ल्यू.डी. ने एस्टीमेट बना लिया है। बारिश के बाद स्पीड ब्रेकर व रम्बलस्ट्रिप्स बना दी जाएंगी। इसी प्रकार कुटेल से पिपली खेड़ा तक गढ्ढे भरने का काम करने के लिए उक्त विभाग की ओर से 1 करोड़ 18 लाख रुपये का एस्टीमेट बनाकर मुख्यालय को भेजा है, आगामी 15 अगस्त तक यह कार्य हो जाएंगे। कैलाश-टीकरी से इन्द्री रोड पर गढ्ढों को दुरूस्त करने के लिए भी 2 करोड़ 58 लाख रुपये का एस्टीमेट बनाया गया है। जबकि सिग्नेचर ग्लोबल से रांवर रोड तक गढ्ढे भरने का काम नगर निगम द्वारा किया जाएगा, इसका 7 लाख 19 हजार रुपये टैण्डर लगा दिया गया है। नगर निगम की एक्सईएन प्रियंका सैनी ने रिपोर्ट दी कि नमस्ते चौक पर गढ्ढों की मरम्मत, जेब्राक्रॉसिंग, लोहे की ग्रिल तथा सर्विस रोड पर रम्बल स्ट्रिप्स बनाए जाएंगे, इनके लिए अढ़ाई लाख रुपये का अनुमान तैयार कर लिया गया है।

इन बिन्दूओं पर भी हुआ काम- असंध-जींद बाईपास के करनाल साईड एंट्री पॉयट पर स्पीड ब्रेकर बनाया गया।

एन.एच. 709ए के परियोजना निदेशक अजय कुमार ने बताया कि पुलिस लाईन के सामने दोनो ओर छोटे-छोटे स्पीड ब्रेकर की शेप में रम्बल स्ट्रिप्स बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि चिड़ाव मोड़ टी-पॉयट पर तीनो साईड स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे।

- लोक निर्माण विभाग डिविजन-2 के एक्सईएन ने बताया कि कल्पना चावला यूनिवर्सिटी कुटेल के निकट सडक़ पर खुले मेनहोल को कवर कर दिया गया है।

इन बिन्दूओं पर होगी कार्रवाई, दिए निर्देश- पी.डब्ल्यू.डी. एक्सईएन ने बताया कि गढ़ीबीरबल से यमुनागनर रोड पर मरम्मत का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

तरावड़ी बूथ के निकट गढ्ढों की मरम्मत की जाएगी।

- उमरपुर इन्द्री से गढ़ीबीरबल रोड, नजदीक नेवल चौक के गढ्ढों की मरम्मत भी की जाएगी।

बीजना और गगसीना मूनक रोड पर मौजूद तीव्र मोड पर साईन बोर्ड लगाए जाएंगे।

वैस्टर्न जमुना पुल से कैथल रोड पर मौजूद गढ्ढों की मरम्मत की जाएगी।

बस्तली गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सामने स्टेट हाईवे नम्बर-7 पर दोनो ओर साईन बोर्ड लगाए जाएंगे।

स्टेट हाईवे नम्बर-7 की निसिंग-सांभली रोड पर मौजूद गढ्ढों की मरम्मत की जाएगी।

गैर सरकारी सदस्य बोले- सदस्य संदीप लाठर ने सुझाव दिया कि सडक़ नियमो की जानकारी के लिए शहर में चौक-चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम किए जाए।

अवैध खनन करने वालों के खिलाफ करेंगे सख्त कार्रवाई-उपायुक्त

करनाल- अवैध खनन को रोकने के लिए गठित जिला स्तरीय कमेटी के चेयरमैन एवं उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि जिला में अवैध खनन को बर्दास्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गुरूवार को इस बारे हुई मीटिंग में उपायुक्त ने अवैध खनन पर विभिन्न अधिकारियों के साथ चर्चा की और निर्देश दिए कि वे कहीं भी अवैध खनन को न होने दें।

उन्होंने जानकारी दी कि अगस्त 2019 से अप्रैल 2023 तक जिला में अवैध खनन में संलिप्त पाए गए 263 वाहनो को पकड़ा और उनसे 3 करोड़ 6 लाख 71 हजार 460 रुपये की रिकवरी की गई। अवैध खनन में दोषी 104 व्यक्तियों की सम्बंधित थानो में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई।

जिला में अवैध खनन को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा जो एक्शन लिया गया है, उस बारे उन्होंने जानकारी दी कि 1 अप्रैल 2022 से 26 जुलाई 2023 तक 60 ट्राली व बुग्गी को पकड़ा गया। इनसे 23 लाख 1 हजार 900 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। ट्राली व बुग्गी के मालिकों के खिलाफ 61 प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। उन्होंने जिला खनन अधिकारी को निर्देश दिए कि जो वाहन अवैध खनन में संलिप्त पाए जाएं, उनको पकडक़र जब्त कर लें। आर.टी.ए. अधिकारी ओवरलोडिंग के चालान करें, बाकि के चालान पुलिस की ओर से किए जाएं। अवैध खनन रोकने के लिए एन्फोर्समेंट बढ़ाई जाए।

उपायुक्त ने बताया कि जिला में आगामी 15 सितंबर तक खनन का कार्य बंद है। चार साईट ऐसी हैं, जिनकी बोली हो चुकी हैं। इनकी प्रदूषण नियंत्रण कार्यालय से एन्वायरमेंट क्लीअरेंस पैंडिंग है। यह साईटें इन्द्री क्षेत्र के जड़ौली, शेरगढ़ टापू, नबियाबाद और कुंडाकलां में हैं। सभी की पब्लिक हियरिंग हो चुकी है।

मीटिंग में मौजूद डी.ई.टी.सी. ने जिला खनन अधिकारी से उन स्टेक होल्डर्स की सूची मांगी, जो खनन सामग्री/रेत का स्टॉक करते हैं, ताकि उनका निरीक्षण कर टैक्स की जानकारी हासिल की जा सके।

मीटिंग में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम असंध मनदीप कुमार, जिला खनन अधिकारी निरंजन लाल तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आर.ओ. शैलेन्द्र अरोड़ा भी मौजूद रहे।

बीएलओ घर-घर जाकर शिद्दत से मतदाता सूची तैयार करने का करें कार्य करें: एसडीएम

पानीपत। भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों को लेकर जिला सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में समालखा व पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ व सुपरवाईजर की बैठक हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए एसडीएम वीरेन्द्र कुमार ढुल ने कहा कि मतदाता सूचि के शुद्धि करण का कार्य 21 अगस्त तक होगा। इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए बीएलओ जिम्मेदार होंगे। सभी बीएलओ व सुपर वाईजर अपने कार्य को इमानदारी व निष्ठा से करें। सुपर वाईजर रोजाना बीएलओ के कार्य की समीक्षा करें व उन्हे प्रोत्साहित करें। एसडीएम ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण का कार्य जारी किया गया है। एसडीएम वीरेन्द्र कुमार ढुल ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष पुनर्निरीक्षण से पूर्व सभी बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने मतदान केन्द्र के क्षेत्र में 21 अगस्त तक घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। जिसमें उन्हें नए मतदाताओं का चयन कर उनकी वोट बनानी है व जिन मतदाताओं का देहांत हो चुका है उनका वोट काटना सुनिश्चित करना है। इस कार्य में प्रगति दिखाई देनी चाहिये। नये वोटर व जिन वोटरा का नाम मतदाता सूचि से काट रहे हैं उसका सही तरह से पहले आंकलन करें। उन्होंने इस कार्य के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

एसडीएम ने कहा कि इस कार्य के लिए बीएलओ ऐप पर वे सुपरवाईजर के सहयोग से रोजाना अपने कार्य की प्रगति रिपोर्ट को अपलोड करेंगे। जिसमें उन्हें यह शामिल करना होगा कि आज उन्होंने कितने घरों में जाकर के वोट बनाने का कार्य किया। उन्होंने आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि फार्म नम्बर-6 जोकि महत्वपूर्ण है। इसमें आवेदक का नाम हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में

लिखे। फार्म पर आवेदक का आधार नम्बर अंकित करना ना भूलें। प्रत्येक फार्म पर आवेदक की जन्मतिथि स्पष्ट रूप से अंकित करें तथा आयु से सम्बंधित प्रमाण पत्र साथ संलग्र करें। फार्म पर आवेदक का वर्तमान साधारण निवास स्थान पूर्ण रूप से मकान नम्बर सहित अंकित करें तथा रिहायश से सम्बंधित दस्तावेज फार्म के साथ संलग्र करें। बैठक में जिला निर्वाचन कार्यालय से कानूनगो सोनिया, कानूनगो अमरेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह, कमल व पानीपत ग्रामीण और समालखा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ व सुपरवाईजर मौजूद रहे।

पानीपत में हनीट्रैप में फंसा युवक, फेसबुक पर दोस्ती, वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल और बना ली न्यूड वीडियो

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में रहने वाला युवक हनीट्रैप के जाल में फंस गया है। उसे फेसबुक पर अनजान महिला से दोस्ती करना और चंद मिनट में ही उसे अपना वॉट्सऐप नंबर शेयर करना महंगा पड़ गया। दरअसल, कथित नेहा शर्मा ने वीडियो कॉल करते ही उसकी न्यूड वीडियो बना ली। इसके बाद उसे ब्लैकमेल करके 39 हजार रुपए हड़प लिए। आरोपियों ने अब 2 लाख रुपए और मांगे, जिसके चलते युवक ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है।

रिक्वेस्ट स्वीकार करते ही आने लगे मैसेज-साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में हिमांशु ने बताया कि 26 जुलाई को उसकी फेसबुक द्वष्ठ पर नेहा शर्मा नामक लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। इसके तुरंत

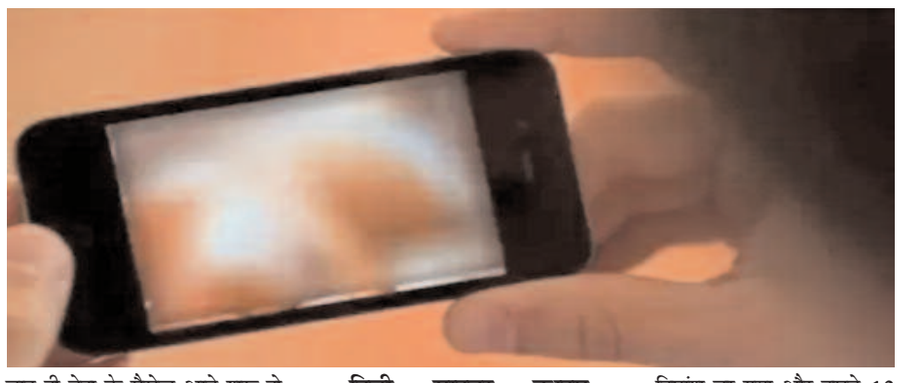

बाद ही नेहा के मैसेज आने शुरू हो गए। इसी बीच नेहा ने उससे उसका वॉट्सऐप नंबर भी मांग लिया। हिमांशु ने अपना नंबर दे दिया। नंबर देते ही वॉट्सऐप कॉल आने लगी। 2 अलग-अलग नंबरों से वॉट्सऐप वीडियो कॉल आई। इसके बाद उसका चेहरा किसी अन्य व्यक्ति के साथ एडिट करके उसकी अश्लील वीडियो बनाकर वॉट्सऐप पर भेज दी।

दिल्ली साइबर क्राइम अधिकारी बता मांगे 2 लाख

हिमांशु ने बताया कि कुछ देर बाद उसके पास किसी तीसरे नंबर से कॉल आई और कॉल करने वालों ने उसे ब्लैकमेल किया। उन्होंने कहा कि अगर उसने पैसे नहीं दिए तो वे उसकी वीडियो को फेसबुक, यूट्यूब पर वायरल कर देंगे। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई।

हिमांशु डर गया और उसने 10 हजार व 29 हजार मिलाकर 39 हजार रुपए ब्लैकमेलरों के बताए नंबरों पर भेज दिए। इसके बाद भी हिमांशु के पास कॉल आती रही और अब उसे दिल्ली साइबर क्राइम वाले बता कर ब्लैकमेल किया जा रहा है। ब्लैकमेलरों ने उससे 2 लाख रुपए मांगे हैं। न देने की ऐवज में वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

उगाही करने वाले फाइनेंसरों पर होंगे अपराधिक केस

रोहतक। ऐसे फाइनेंसर जो कर्ज देकर मनमाना ब्याज वसूलते हैं तथा कर्जदार को डरा धमकाकर जबरदस्ती अवैध वसूली करने का प्रयास करते हैं, उनके खिलाफ अब पुलिस द्वारा सख्त कारवाई की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक राकेश कुमार आर्य ने रेंज के सभी पुलिस प्रमुखों को मनमाना ब्याज वसूलने वालो फाइनेंसरो की पहचान कर उनके खिलाफ कारवाई करने के निर्देश जारी किए है। दरअसल पुलिस के सामने कई ऐसे मामले सामने आये है, जिसमें कर्ज लिए पैसे का भुगतान करने के बाद भी कुछ फाइनेंसर द्वारा लेनदारों से जबरन और धमकी देकर वसूली का प्रयास किया जाता है। कुछ एक व्यक्ति फाइनेंसरों की धमकी के दबाव में आकर आत्महत्या जैसा बड़ा कदम भी उठा लेते है। बीते दिनों रोहतक निवासी एक युवक ने फाइनेंसर से तंग आकर नहर में कूद कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक आर्य ने रेंज अंतर्गत चारों जिलों रोहतक, झज्जर, भिवानी तथा चरखी दादरी के पुलिस प्रमुखों को कर्ज देकर लेनदारों से मनमाना ब्याज वसूलने वाले ऐसे लोगों का पता लगा कर उनकी सूची तैयार करने को कहा है।

काले पीलिया के 34 हजार मरीजों को नया जीवन दान दे चुके हैं डॉ. प्रवीण मल्होत्रा

रोहतक। 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस है। जिसका उद्देश्य इस लीवर संबंधित बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने तथा इसके साथ जुड़ी भ्रांतियां को समाप्त करना है ताकि मरीज जल्द से जल्द इलाज ले और सामान्य जीवन व्यतीत कर सकें। पीजीआईएमएस के गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभागाध्यक्ष और सरकार की जीवनरेखा योजना के प्रमुख नोडल अधिकारी डा. प्रवीण मल्होत्रा एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने हेपेटाइटिस सी के मरीजों की लड़ाई लड़ कर प्रदेश में इसके इलाज को न केवल सुगम किया अपितु लोगों की भ्रांति भी दूर की। लोगों का विश्वास जीतने और काले पीलिया को लेकर अंधविश्वास को लेकर उन्होंने इसे जनजागरण अभियान का रूप दे दिया। इसके लिए उन्होंने स्कूल कॉलेजों में तो सेमिनार किए ही धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं को भी अपने साथ जोड़ लिया। इस बार विश्व हेपेटाइटिस दिवस की थीम

वी आर नाट वेटिंग वन लाइफ वन लीवर रखी गई है। पीजीआईएमएस रोहतक में 28 जुलाई को जागृति अभियान का आयोजन मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण मल्होत्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को किया जाएगा। डा. प्रवीण मल्होत्रा की ओपीडी सप्ताह में सातों दिन चलती है। मरीजों के प्रति उनका समर्पण इतना है कि वे सर्दियों व गर्मियों में उन्हें मिलने वाली एक-एक माह की छुट्टियां भी बहुत ही कम लेते हैं। मरीजों को अपना मोबाइल नंबर भी दे देते हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना के तहत वे अब तक काले पीलिया के 34 हजार मरीजों को नया जीवनदान दे चके हैं। यही नहीं, 9 साल में अकेले 34 हजार इंडोस्कोपी कर उनका नाम विश्व रिकार्ड में दर्ज हो चुका है तथा आज तक वे 37000 इंडोस्कोपिक कर चुके हैं। इसके अलावा कई अन्य विश्व रिकार्ड डा. प्रवीण मल्होत्रा के नाम हैं। डब्ल्यूएचओ जैसी संस्था उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर चुकी है।

ये मिल चुके अवार्ड

डॉ. मल्होत्रा को इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस की तरफ से चेन्नई में उन्हें बेस्ट सिटीजन ऑफ इंडिया अवार्ड मिल चुका है। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की ओर से काले पीलिया के ईलाज और नेशनल वायरल हैपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम में उत्कृष्ट एवं महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए एचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। वहीं, प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड, अब्दुल कलाम गोल्ड मेडल अवार्ड, महात्मा गांधी गोल्ड मेडल अवार्ड, राधा-कृष्ण गोल्ड मेडल अवार्ड, समाज सुधार सेवा अवार्ड समेत विश्व स्तरीय वर्ल्ड हैल्थ आरर्गनाईजेशन, क्लिंटन हैल्थ फॉडेशन व मेडिसन सैंस फ्रंटियर जैसी संस्थाओं द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा सैंकडों सामाजिक संस्थाओं से उन्हें सम्मान मिल चुका है।

मोटापा एक मानसिक रोग

अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे ओवर–ईटर हैं, क्योंकि अपने शरीर के हिसाब से वह सही कैलोरीज ले रहे होते हैं...

अक्सर मेदोरोग के आनुवांशिक कारणों का सामंजस्य स्वाभाविक कारणों से किया जाता है। चय–उपचय क्रिया तथा मेद की वृद्धि आनुवांशिक तौर पर निर्भर करती है। शारीरिक कर्म व खानपान की आदत हमारे जींस पर निर्भर करती है। मानसिक तौर पर लोग मोटापे को लेकर इतना सचेत नहीं होते हैं। जिस वजह से इस बीमारी का ठीक से इलाज संभव नहीं होता।

मोटापे के कारण

खानपान की गलत आदतें : अक्सर देखा जाता है

कि अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि वे ओवर–ईटर हैं, क्योंकि वे शरीर के अनुपात में सही कैलोरीज़ लेते हैं। इनमें खाने की मात्रा से ज्यादा खाद्यपदार्थों के चयन में अधिक गलती देखी जाती है।

टी.वी. देखते हुए या गॉसिप करते हुए चिप्स, स्नैक्स खाना मोटापे का एक कारण है। इसे 'बिंज इटिंग डिस्ऑर्डर' कहते हैं।

कुछ लोग नकारात्मक ख्यालों के दायरे में कुछ अधिक खाना खा लेते हैं। अक्सर विद्यार्थी वर्ग में देखा जाता है कि वे देर रात तक पढ़ते हैं। इस वजह से वे रात को ज्यादा खाते हैं। इससे भी मोटापा होता है। इसको 'नाइट इटिंग सिंड्रोम' कहते हैं।

सेहत समस्याएं : निद्रा में विकार, सोते समय सांस लेने में तकलीफ, हाथ, पैरों, पीठ, कमर में दर्द और बेचैनी, मानसिक तनाव व अवसाद।

क्या करना चाहिए ?

- सुबह उठते ही आधे घंटे से एक घंटे तक ब्रिस्क वॉक व एक्सरसाइज करें।
- रोजाना 2.5 से 3 लीटर तक पानी पीएं। गर्मियों में 4 लीटर पानी पीना चाहिए।
- खाने में लस्सी लें, इससे भूख कम लगती है।
- दो चम्मच नींबू के रस और दो चम्मच शहद पानी के साथ लें।
- भोजन के बाद एक गिलास गुनगुना पानी पीएं।
- अदरक, इलायची, काली मिर्च वजन घटाने में लाभकारी हैं। इनका सेवन करें।
- खाने में फल व सब्जी का अधिक प्रयोग करें।
- रोज एक टमाटर खाएं। पुदीने का प्रयोग करें।
- पनीर, मक्खन और घी का कम सेवन करें।
- चावल की बजाय रोटी खाएं।
- कच्ची गोभी का सेवन अधिक फैट बनने से रोकता है।

क्या नहीं करना चाहिए ?

- एक बार में ज्यादा न खाएं। बार–बार थोड़ा–थोड़ा खाते रहें, ताकि कम कैलोरी शरीर में जाएं और उसे पचने के लिए पर्याप्त समय मिले।
- देर रात तक पढ़ने या काम करने से बचना चाहिए।
- टी.वी. देखते वक्त या गॉसिप करते समय चिप्स, स्नैक्स आदि न खाएं।
- चाय, कॉफी, चॉकलेट, आइसक्रीम, नशीले पदार्थ, कोल्डड्रिंक्स, नमक, आलू एवं तली हुई चीजों से दूरी बनाएं।
- मानसिक तनाव व अवसाद से बचें।

डॉक्टर की सलाह

स्वभाव में बदलाव लाना और सही खाद्य पदार्थ का चयन करना किसी भी वेट लॉस प्रोग्राम का महत्वपूर्ण अंग है। मरीज को समझाना चाहिए कि उसका शरीर बहुत अजीब लगता है और भविष्य में उसे बेहद तकलीफ देने वाला है। मोटापे के कारण कुछ ऐसे रोग भी हो सकते हैं, जो जानलेवा हैं, जैसे हाई ब्लड प्रैशर, डायबिटीज। इसके लिए उन्हें साइकोडायनैमिक बिहेवियर थैरेपी देनी चाहिए। यह इस तरीके से करनी चाहिए, ताकि मरीज को डिप्रैशन या एंग्जायटी ना हो। बेहतर है कि उसे किसी मनोचिकित्सक के पास ले जाएं, क्योंकि उपाय तो सभी जानते हैं, पर उनका पालन बहुत कम लोग करते हैं।

मनोचिकित्सक ही मरीज को ठीक से समझ सकते हैं, जोकि लंबे समय तक वेट लॉस प्रोग्राम को चलाने में उन्हें प्रेरणा देते रहेंगे। बिंज इटिंग डिस्ऑर्डर और नाइट इटिंग सिंड्रोम दोनों ही मानसिक रोग हैं। इसलिए इनका इलाज मनोचिकित्सक से ही करवाना चाहिए। इसके अलावा बॉडी इमेज थैरेपी प्रोग्राम भी लाभकारी है। जिसमें मोटे लोग कैसे अपने आप को देखते हैं व क्या सोचते हैं, इस पर मनोचिकित्सक ध्यान देता है।

हेल्थ प्लस

हंसने से होगा हार्ट हैल्दी

हमेशा से माना जाता रहा है कि हंसना हजार बीमारियों का इलाज है। ताजा स्टडी में वैज्ञानिकों को मिले नतीजे भी इसी बात की पुष्टि करते हैं कि हैल्दी हार्ट के लिए खूब हंसना चाहिए। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि एक दिन में मात्र 30 मिनट तक ठहाके लगाने से आपका दिल स्वस्थ रह सकता है। ऐसा भी जरूरी नहीं है कि ये ठहाके एक साथ लगाए जाएं, लेकिन नियमित अंतराल पर हंसना भी हार्ट से जुड़ी बीमारियों के खिलाफ एक बड़ी दवा का काम कर सकता है।

रिसर्चर्स ने हाई रिस्क डायबीटीज के 20 मरीजों को दो ग्रुपों में बांट दिया। एक ग्रुप को एक साल तक रोजाना दवाई के अलावा 30 मिनट तक हंसी–मजाक की गतिविधियों में हिस्सा लेने दिया गया, जबकि दूसरे ग्रुप को सिर्फ मैडिसिन ही दी गई।

दो महीने बाद स्टडी में पाया गया कि हंसने वाले मरीजों में एपीनैफरीन और नोरेपिनएफरिन स्ट्रैस हार्मोन के स्तर में कमी आई। 12 महीने बाद देखा गया कि हंसने वाले ग्रुप में एचडीएल कोलेस्ट्रॉल यानी फायदेमंद कोलेस्ट्रॉल में 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि दूसरे ग्रुप में यह बढ़त महज तीन फीसदी देखी गई। हंसने वाले ग्रुप में दिल की बीमारी से जुड़े सी–रिएक्टिव प्रोटीन में भी 66 फीसदी की कमी आई।

सुंदर त्वचा के लिए नीम

नीम विकृत पित्त व कफ को शांत करता है। नीम का पेड़ किसी भी अन्य पेड़ की अपेक्षा ज्यादा ऑक्सीजन छोड़ता है। इस कारण जहां नीम का पेड़ होता है, वहां आपको ऑक्सीजन काफी मात्रा में मिलती है। इसके फूल, बीज, पत्तियां तथा छाल विभिन्न औषधियों में प्रयुक्त होते हैं।

नीम की पत्तियों का काढ़ा नियमित रूप से लेने से त्वचा संबंधी रोग नहीं होते और जिगर ठीक रहता है। नीम त्वचा को चिकनाई देती है और मुहांसे व फोड़े–फुंसियों से उसकी रक्षा करती है।

नीम डायबिटीज के पेशंट्स के लिए भी बढ़िया है। नीम की छाल के अर्क में शहद मिलाकर खाने से यकृत स्वच्छ रहता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ठीक रहती है। दांत साफ करने के लिए भी नीम की टहनियों का प्रयोग किया जाता है। नीम को खुजली (स्केबीज) के इलाज में बहुत उपयोगी माना जाता है।

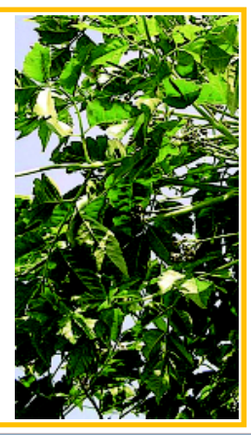

दिल से नहीं दोस्ती इसकी

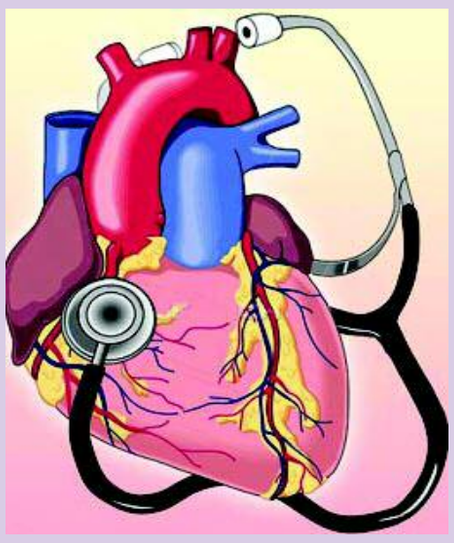

'कैफीन शरीर में इंसुलिन की ग्लूकोज कंट्रोल करने की क्षमता को काफी कम कर देती है।'

अगर आप सोचते हैं कि कद–काठी के हिसाब से आपका वजन और बीएमआई सही है, इसलिए आपको तोंदिल कमर की चिंता करने की जरूरत नहीं है, तो आपको अपनी सोच बदलनी होगी। क्योंकि अगर आप कमर के पास बढ़ती चर्बी की अनदेखी करते हैं, तो सावधान हो जाएं। एक नए अध्ययन में खुलासा किया गया है कि कमर के पास चार इंच की अतिरिक्त फैट होने से आपमें दिल की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

बेथ इस्राइल डीकनेस मैडिकल सेंटर की अग्रणी शोधकर्ता एमिली लेविटन का कहना है, 'बीएमआई, कमर का घेरा, कमर और लंबाई का अनुपात लेने पर पाया गया कि कमर पर फैट ज्यादा होने से दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।'

शोधकर्ताओं के अनुसार जिन महिलाओं के पेट के पास अतिरिक्त फैट होती है उन्हें दिल की बीमारी का खतरा 15 फीसदी बढ़ जाता है। वहीं, तोंदिल पुरूषों में यह खतरा 16 फीसदी बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के लिए इससे पहले हुए दो शोधों पर गौर किया। उसमें 45 और 83 साल की आयु के बीच के 80 हजार से अधिक मरीजों की लंबाई, वजन और उनकी कमर का माप लिया गया था।

अध्ययन के निष्कर्षों में बताया गया कि तोंदिल होने से सामान्य बॉडी मास इंडैक्स (बीएमआई) वाले लोगों में भी दिल की बीमारी का खतरा 18 फीसदी बढ़ जाता है। यह खतरा मोटापा के शिकार लोगों के बराबर होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख–आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग–दौड़ रहेगी। शुभांक–4–5–6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। शुभांक–4–6–7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन–भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन–भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक–4–6–7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक–1–7–9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक–3–5–8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः–शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक–2–5–7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन–भर रहेगा। यश–प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक–2–6–8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक–3–6–8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक–4–6–7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक–3–5–6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक–4–6–8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक–5–6–8

काकुरो पहेली - 2899

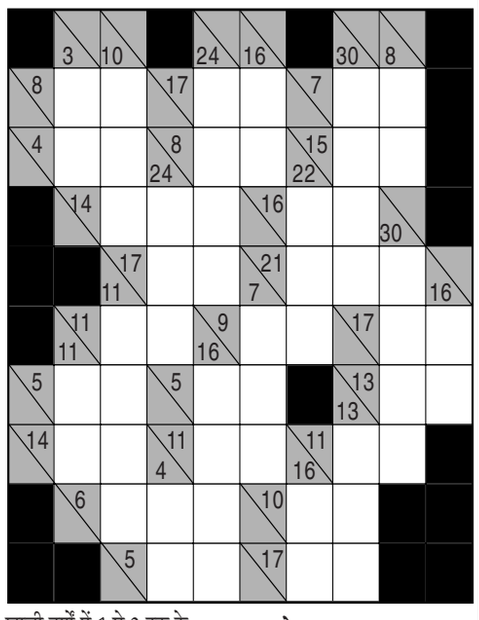

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

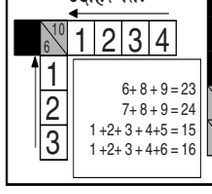

6+8+9 = 23
7+8+9 = 24
1+2+3+4+5 = 15
1+2+3+4+6 = 16

काकुरो -2898 का हल

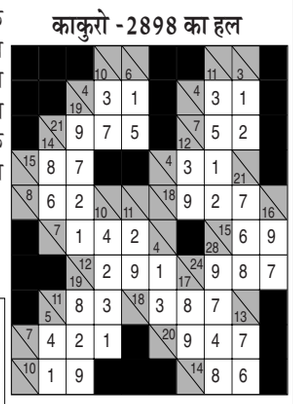

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)– तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात–आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर– ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी– नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि– बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला– यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला– जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला– नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला– तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2899

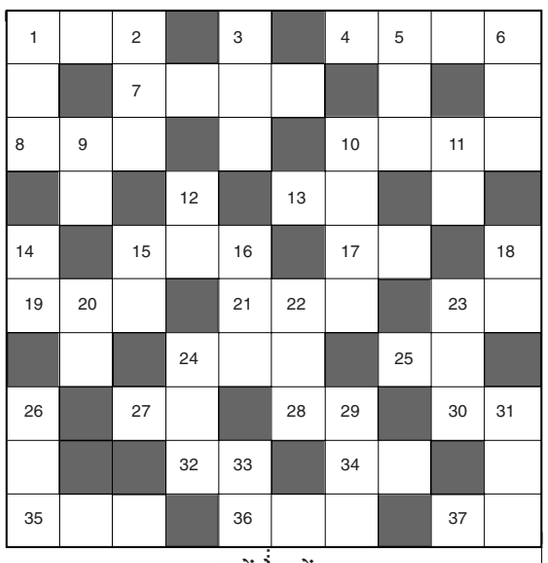

बायें से दायें:–

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म–३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म–४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म–३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी–३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म–४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म–२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म–३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म–२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म–३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म–३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म–२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म–३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म–२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म–२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राश्मा, शिल्पा की फिल्म–२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म–२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम–२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म–२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म–३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म–३
३७. फिल्म 'अलग–अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी–२

ऊपर से नीचे:–

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म–३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी–३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म–३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म–३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका–३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म–२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म–४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था–२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक–२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म–२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म–२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म–३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म–२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म–२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म–३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका–३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म–३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म–३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म–३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म–३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली - 2898

अ	नि	ता	■	जो	र	■	बे	ना	म
नु	■	रा	का	■	वी	र	ता	■	म
म	र्द	■	श	बा	ना	■	ब	बी	ता
लि	■	ता	■	बू	■	सु	■	ना	■
क	भी	क	भी	■	सु	हा	ग	रा	त
■	गी	त	■	चि	रा	ग	■	य	■
गो	रा	■	शा	■	ग	■	चि	■	ह
■	त	क	दी	र	■	इ	त	का	म
ज	■	री	■	त	ब्बू	■	चो	■	रा
या	रा	ना	■	न	■	अ	र	बा	ज

सूडोकु -2899

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2898 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 2899

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर,करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत,दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन,पगार-3
16. मनोनीत,नामकृत-3
18. बंधक,गिरवी वस्तु-3
20. निशा,रात्री-3
22. वचन,प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य,कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार,फटकार-3
30. हवा,पवन-3
31. झाझर,कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर,भूत-2
40. परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान,खजांची-3
4. पैगंबर,रसूल-2
5. झूठ,मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम,मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा,दोस्त-2
18. मजा,आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः,वापस-2
27. मर्करी,पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त,टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा,विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -2898 का हल

का	■	बु	आ	■	द	■	म	ख्ल	■	मु
र	क्क	■	कु	क	र	मु	क्ता	■	जा	ला
तू	■	म	ल	■	मि	■	धी	र	■	य
स	क्रि	य	ता	■	या	■	श	ब	न	म
■	या	■	■	■	न	■	■	■	या	■
रा	शी	क	र	ण	■	भा	र	ही	न	ता
■	ल	■	■	टी	■	■	■	बे	■	■
री	ता	प	न	■	ना	■	न	ह	ला	ना
ई	■	स	जा	■	मु	■	का	म	■	का
ब	लि	■	क	हा	नी	का	र	■	छ	बि
र्स	■	गी	त	■	म	■	ना	नी	■	ल

अमीषा-सनी को मिला सिर्फ सात दिन का अल्टीमेटम

फिल्म निर्माताओं की सबसे बड़ी संस्था इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स असोसिएशन (इम्पा) के बुलावे के बाद हिंदी सिनेमा में काम करने वाली अभिनेत्रियां अमीषा पटेल और सनी लियोनी मंगलवार को इसके दफ्तर नहीं पहुंचीं। फिल्म निर्माताओं की सबसे बड़ी संस्था इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स असोसिएशन (इम्पा) के बुलावे के बाद हिंदी सिनेमा में काम करने वाली अभिनेत्रियां अमीषा पटेल और सनी लियोनी मंगलवार को **इसके दफ्तर नहीं पहुंचीं।** अमीषा और सनी अनुपस्थिति को देखते हुए **इम्पा की ने दोनों को सात दिनों** के भीतर संबंधित निर्माताओं को उनकी **रकम वापस करने का अल्टीमेटम** जारी किया है। ऐसा न होने पर इम्पा **अमीषा पटेल और सनी लियोनी** के खिलाफ आवश्यक कदम उठा सकती है।

अमीषा ने नहीं दी कोई सूचना

मंगलवार को मुंबई में फिल्म निर्माताओं की संस्था इम्पा की मध्यस्थता न्यायाधिकरण बैठक अभिनेत्री अमीषा पटेल बिना किसी सूचना के अनुपस्थिति रहीं। वहीं, सनी लियोनी ने इम्पा की तरह से मिले नोटिस के जवाब में उपस्थिति होने में असमर्थता जताई थी। इम्पा में आयोजित मध्यस्थता न्यायाधिकरण मीटिंग में अमीषा पटेल की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया था, जो बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रही।

मीटिंग में लिया गया यह फैसला

मध्यस्थता न्यायाधिकरण की मीटिंग में यह फैसला लिया गया कि **अमीषा पटेल एडी फिल्म्स के हरीश पटेल को सात दिन के अंदर भुगतान कर दें। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ एक पक्षीय निर्णय लिया जाएगा।** अभिनेत्री सनी लियोनी ने भले ही इम्पा की मध्यस्थता न्यायाधिकरण की मीटिंग में पहले से सूचना देकर आज मीटिंग में उपस्थिति होने में असमर्थता जताई। लेकिन मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने बहुत लंबे समय तक मध्यस्थता न्यायाधिकरण के सामने सनी लियोन के पेश होने से बचने को गंभीरता से लिया है, और सनी लियोनी को भी निर्देश दिया है कि वह भी सात दिनों के भीतर निर्माता विनोद बच्चन का भुगतान कर दें, ऐसा न करने पर उनके खिलाफ भी एक पक्षीय निर्णय लिया जाएगा।

यह है पूरा मसला

अभिनेत्री अमीषा पटेल और सनी लियोनी को मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के मुंबई कार्यालय में उपस्थित होने के लिए तलब किया था। संस्था ने यह कार्यवाही फिल्म निर्माता हरीश पटेल और विनोद बच्चन की शिकायत के आधार पर की है। अमीषा पटेल पर आरोप है कि उन्होंने निर्माता हरीश पटेल ने ब्याज पर पैसे लिए थे, लेकिन नहीं लौटाए। वहीं, निर्माता विनोद बच्चन ने सनी लियोन को अपनी फिल्म यारों की बारात के लिए अनुबंधित किया था, लेकिन सनी लियोनी ने फिल्म साइन करके के दो महीने बाद फिल्म में काम करने से मना कर दिया और आज तक पैसे नहीं लौटाए।

पारंपरिक पहनावे को छोड़ ट्रेंडी

कपड़े पहनने लगी अभिनेत्री खुशी दुबे

दर्शकों ने हमेशा अभिनेत्री खुशी दुबे को सूट-सलवार और पारंपरिक पहनावे में देखा है। लेकिन, अब आशिकाना सीजन 4 में उनका किरदार चिक्की नैन्सी रूए के उपन्यास से प्रेरित है। जिसमें वह ट्रेंडी कपड़े और जूते पहने हुए दिखाई दे रही हैं। शो में अपने लुक के बारे में बात करते हुए खुशी ने कहा, इस सीजन में मेरा लुक एक फ्यूजन है। इसमें वेस्टर्न ड्रेसेज, बूट्स और सुपर कूल लुक है जो हमने नैन्सी के उपन्यासों में देखा था। नैन्सी एक अमेरिकी उपन्यासकार हैं जो 12 वर्षीय लिली रॉबिंस के उपन्यासों की लिली सीरीज के लिए जानी जाती हैं। वह सोफी सीरीज के लिए भी जानी जाती हैं। खुशी ने अपने **लुक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, हमने इसे खूबसूरत और स्मार्ट रखा है** और इसमें थोड़ा अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया है। यह थोड़ा सरल, लेकिन ग्लैमरस है। इसका लुक और अहसास किसी भी अन्य जासूसी लुक की तरह ही है, स्मार्ट कैजुअल और सेक्सी। कहानी आधुनिक दुनिया और पुरानी दुनिया के रीति-रिवाजों को बताती है। इस रहस्यमय कहानी में जैन इबाद खान (यश के रूप में), और खुशी (चिक्की के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं। इसमें अनुभवी अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी के साथ जयति नरूला, इंद्रजीत मोदी

बात करते हुए, जैन ने साझा किया कि असामान्य गतिविधियों के बारे में लोगों की हमेशा अलग-अलग राय रही है। कुछ को यह सच लगता है, कुछ को यह विज्ञान लगता है। जबकि आशिकाना हमेशा रोमांच और रहस्यों से भरी यात्रा रही है, इस सीजन में यश और चिक्की एक ऐसी ही घटना में फंसते नजर आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, यश को बिल्कुल अलग लुक में दिखाया गया है, क्योंकि वह आधुनिक दुनिया और पुराने रीति-रिवाजों के बीच संबंध बनाते हैं, जिससे दर्शकों के मन में विचार और सवाल आते हैं। सीरीज की निर्देशक गुल खान ने कहा कि आशिकाना के प्रत्येक बढ़ते सीजन के साथ, हमें शो के लिए अपार प्यार और सराहना मिली है, जिससे हमें नए पात्रों और नए कथानक को पेश करने में मदद मिली है। गुल ने कहा, यह सीजन कई गहरे रहस्यों से परे है। जेन के स्टूडियोज द्वारा निर्मित, आशिकाना सीजन 4 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

तारीखों की समस्याओं के चलते विक्की ने छोड़ी

सिंघम अगेन

लम्बे समय बाद जरा हटके जरा बचके के जरिये सफलता का स्वाद चखने वाले विक्की कौशल को लेकर समाचार आया था कि उन्हें रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के छोटे भाई की भूमिका निभाने के लिए साइन किया है। इस फिल्म को लेकर विक्की कौशल काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। उन्होंने इस फिल्म के लिए अपनी तैयारियाँ भी शुरू कर दी थी और लुक को भी अन्तिम रूप दे दिया गया था। लेकिन अब बताया जा रहा है कि उन्होंने इस फिल्म से स्वयं को अलग कर लिया है। इसका कारण उनकी तारीखों का सिंघम अगेन की तारीखों से टकराव होना बताया गया है। इसके चलते उन्होंने नाम वापस ले लिया है। विक्की कौशल रोहित शेट्टी के लिए फंट-फुटेड मास फिल्म करने के लिए बहुत उत्सुक थे और उन्होंने सिंघम अगेन के लिए अपना लुक भी तय कर लिया था। हालांकि, सिंघम अगेन की शूटिंग की तारीखें चावा की शूटिंग की तारीखों के साथ टकरा रही हैं। चावा में उनका पीरियड युग का एक निश्चित लुक है और इसे सिंघम अगेन जैसी आधुनिक फिल्म में दोहराया नहीं जा सकता है। सिंघम अगेन के लिए चीजें सेट करने के सभी प्रयास करने के बाद, वह ऐसा नहीं कर सके और उन्होंने रोहित शेट्टी को अपना निर्णय सूचित किया। एक पूरी तरह से पेशेवर होने के नाते, रोहित ने भी उनकी दुर्दशा को समझा। रोहित अजय, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और विक्की कौशल के साथ एक साथ शूटिंग करना चाहते थे। जबकि सभी ने अक्टूबर के लिए अपनी तारीखें आवंटित कर दी हैं, विक्की चावा के साथ व्यस्त थे। शूटिंग के लिए हर किसी की तारीखें दोबारा लेना मुश्किल होता। हर कोई इस कास्टिंग तख्तापलट से चूकने से दुखी है, लेकिन भविष्य में संभावित सहयोग के लिए आगे बढ़ने का फैसला किया। इस बीच, सिंघम अगेन में करीना कपूर और दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सूर्या स्टारर कांगुवा में खलनायक की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

बहुत महत्वाकांक्षी फिल्म कांगुवा पर काम जोरों पर शुरू हो गया है। जबकि फिल्म की घोषणा कुछ साल पहले की गई थी, इसके बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होने की उम्मीद है और इसे सूर्या की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। हिन्दी फिल्मों में सफलतम नायिका के तौर पर गिनी जा रही दिशा पटानी की यह दक्षिण की पहली फिल्म होने की भी उम्मीद है। कांगुवा के बारे में अब कहा जा रहा है कि इसमें हिन्दी फिल्मों के अग्रणी परिवार देओल परिवार के बॉबी देओल बतौर खलनायक नजर आएंगे। हाल ही में जारी कंगुवा की पहली झलक को देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म में कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे। पूरी तरह से अलग समयावधि में स्थापित, सूर्या को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा जिसने प्रशंसकों को उत्सुक कर दिया है। अब इन सबको जोड़ते हुए यह कहा जा रहा है कि फिल्म में मुख्य खलनायक के रूप में बॉबी देओल नजर आएंगे। हालांकि अभिनेता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में चुप्पी साध रखी है और निर्माताओं ने भी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता ने वास्तव में फिल्म के लिए हामी भर दी है। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि बॉबी जल्द ही फिल्म की शूटिंग के लिए बाकी टीम में शामिल होने के लिए बैंकॉक रवाना होंगे। दिलचस्प बात यह है कि यह दूसरी साउथ फिल्म है जिसे रेस 3 अभिनेता ने हाल के दिनों में साइन किया है। कुछ ही हफ्ते पहले, वह पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू के लिए बोर्ड पर आए लेकिन फिल्म को रोक दिया गया है। कंगुवा की बात करें तो फिल्म का निर्देशन शिवा कर रहे हैं, जबकि फिल्म की बाकी स्टारकास्ट जल्द ही सामने आएगी।

दोहरी भूमिका में नजर आएंगे आयुष्मान

एन एक्शन हीरो की असफलता के बाद आयुष्मान खुराना अब आगामी महीने की 25 तारीख को ड्रीम गर्ल-2 के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। इन दिनों आयुष्मान इस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रहे हैं। गौरतलब है कि आयुष्माना खुराना की यह फिल्म वर्ष 2019 में आई ड्रीम गर्ल का सीक्वल है। इस फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता प्राप्त की थी। वैसे भी आयुष्मान खुराना को लीक से हटकर रोल करने में आनंद आता है। वे हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं ही करते हैं। वे कॉमन मैन बनकर लोगों का दिल जीतने में सफल रहते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि आयुष्मान की फिल्मों की कहानी काफी यूनिक होती है। अब उनकी आगामी कॉमेडी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज नजर आ रहा है। जब से फिल्म की पहली झलक सामने आई है, तब से ही फैंस पूजा के रोल को शिद्दत से निभाने वाले आयुष्मान के हुनर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। मंगलवार (25 जुलाई) को आयुष्मान ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया है। कुछ देर पहले ही इंस्टा स्टोरी पर शेयर किए गए इस पोस्टर में शिमरी ब्लू और मैरून लहंगे में आयुष्मान का फिगर देखते ही बन रहा है। लंबे बालों और पाउट करते हुए आयुष्मान का ये लुक सबका ध्यान खींच रहा है। इसके अपोजिट मिरर में आयुष्मान का एक और लुक है, जिसमें वे हाथ में लिपस्टिक पकड़े हुए हैरान-परेशान लग रहे हैं। इस पोस्टर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ये तो सिर्फ पहली झलक है। दर्पण में वस्तुएं जैसी दिखाई देती हैं उससे कहीं अधिक खूबसूरत होती हैं। ज्ञातव्य है कि 'ड्रीम गर्ल 2' साल 2019 में आई ड्रीम गर्ल का सीक्वल है। 'ड्रीम गर्ल' में आयुष्मान और नुसरत भरूचा ने जमकर लोगों को एंटरटेन किया था। 'ड्रीम गर्ल' में आयुष्मान जहां एक ओर दिन में अपनी प्रेमिका के चारों ओर चक्कर लगाने वाले 'करम' बने थे, तो वहीं रात को फोन पर लोगों का अकेलापन दूर करने वाले 'पूजा' बन जाते थे। 'ड्रीम गर्ल 2' में आयुष्मान के साथ एक्टर चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। यह जोड़ी पहली बार स्क्रीन शेयर कर रही है। फिल्म में अन्नू कपूर, परेश रावल, सीमा पहवा, विजय राज, मनोज जोशी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई शानदार कलाकार भी हैं। ये फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है। इसे एकता कपूर का बालाजी प्रोडक्शन प्रोड्यूस कर रहा है। इससे पहले फिल्म का प्रोमो वीडियो रिलीज किया गया था जिसमें पूजा और रॉकिंग रॉकी रणवीर सिंह की चटपटी बातों को दर्शकों ने खूब एन्जॉय किया था।

बिहार में बिन आंखों के जन्मे बच्चे का

इलाज करवाएंगे सोनू सूद

फिल्मों के विलेन एक्टर सोनू सूद रियल लाइफ में हीरो हैं। यह बात उन्होंने कोरोना काल और लॉकडाउन में साबित की है। अब तक सोनू कई बेसहारा और पीड़ित लोगों की मदद कर चुके हैं। अब हाल ही में एक्टर बिहार में बिन आंखों के जन्में बच्चे के लिए आशा की नई किरण बने हैं। सोनू सूद ने गुलशन के इलाज जिम्मा उठाया है और कहा कि अपने इलाज के लिए तैयार हो जाओ। दरअसल, बिहार के नवादा में जिस बच्चे का जन्म हुआ है, उसकी आंखे ही नहीं है। गरीबी के कारण परिवार अपने बच्चे का इलाज नहीं करवा पाया। किसी ने गुलशन नाम के इस बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो सोनू सूद तक पहुंच गया। इस वीडियो को देखने के बाद एक्टर ने गुलशन का इलाज करवाने का जिम्मा उठाया और ट्वीट करते हुए लिखा- चल बेटा गुलशन, इलाज का समय हो गया, अब अपनी आंखों से दुनिया देख। बता दें कि सोनू सूद गुलशन की आंखों का इलाज मुंबई में कराएंगे। एक्टर ने गुलशन के पिता राजेश चौहान और मां किरण देवी को बच्चे के साथ मुंबई आने का बुलावा भेज दिया है। मुंबई जाने के लिए ट्रेन और अन्य खर्च का जिम्मा समाज के लोगों ने उठाया है।

प्रेगनेंसी के सवालों से परेशान हुईं रुबीना

अपनी नई पोस्ट से एक्ट्रेस ने दिया ये जवाब!

टीवी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 14' की वीजेता रुबीना दिलैक इन दिनों काफी चर्चा में हैं। 'छोटी बहू' फेम रुबीना दिलैक को लेकर इंडस्ट्री में एक अफवाह फैली है, जिसके चलते अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। जी हां, काफी दिनों से एक्ट्रेस को लेकर खबरे सामने आ रहीं थी कि रुबीना दलैक प्रेग्नेंट हैं। अब यह बात सच है या झूठ ये तो आपको एक्ट्रेस की पोस्ट देख कर पता चल ही जाएगा। सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली रुबीना दिलैक ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक फोटो अपलोड की है। फोटो में एक्ट्रेस फ्लाइट की विंडो सीट पर बैठी नजर आ रहीं है। एक्ट्रेस काफी परेशान और खोई-खोई दिखाई दे रहीं हैं। इसी के साथ रुबीना दिलैक ने कैप्शन में लिखा 'पोस्ट ना करो तो सवाल, करो तो बवाल। एक्ट्रेस का ये पोस्ट काफी कंफ्यूजिंग है। एक्ट्रेस की पोस्ट देख फैंस परेशान हो रहें है, जिसके चलते एक यूजर ने कमेंट किया 'रूबी क्या हुआ किसने बवाल किया??' दूसरे ने लिखा 'रूबी प्रेगनेंसी के सवालों से थक गई हैं।' अब लगता तो यही है कि शायद एक्ट्रेस लोगों के सवालों से थक गई है और अब रुबीना किसी को कोई जवाब नहीं देना चाहती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011